हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 15, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 13 जुलाई, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

यूपी में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की संकल्पना को कर रहे साकार : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2017 के पहले प्रदेश में मात्र 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। आज यूपी में 45 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं। 16 अन्य में निर्माण चल रहा है। 14 सरकारी और दो प्राइवेट। आज दो नए मेडिकल कॉलेज के लिए एमओयू हुआ है। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की संकल्पना को साकार करने की ओर बढ़ रहे हैं। यह न सिर्फ मेडिकल शिक्षा बल्कि स्वास्थ्य सुविधा गुणवत्तापूर्ण करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे मिशन निरामया के तहत क्यूसीआई की ओर से नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग व मऊ व शामली में निजी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए अनुबंध कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मऊ और शामली में मेडिकल कॉलेज एक सपना था, जो अब साकार हो रहा है। यह वे जिले हैं, जहां पहले लोग जाने में डरते थे। मऊ माफिया के लिए जाना जाता था, शामली का भी यही हाल था। अब यहां क्वालिटी स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ क्वालिटी इलाज भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मिशन निरामया जो गत वर्ष शुरू किया गया था। आज देश का ब्रांड बना हुआ है। नर्सिंग और पैरामेडिकल बैक बोन होता है। मेडिकल शिक्षा की चर्चा तो की गई लेकिन नर्सिंग व पैरामेडिकल को भूल गए। कई जगह पर कॉलेज बिना इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकेल्टी के काम कर रहे थे। हमने इसे बेहतर करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान यदि मानक पूरा करता है तो उसे संबद्धता और सुविधा दी जाए लेकिन अगर वे मानक, इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकेल्टी, लैब, लाइब्रेरी की सुविधा नहीं पूरा करते हैं तो ऐसे संस्थानों को बाहर कर दिया जाएगा। हम प्रदेश के किसी युवा के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। मेडिकल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी संस्थान देंगे।

विपक्षी दलों की बैठक में कांग्रेस को धुरी बनाएंगी सोनिया गांधी, 24 पार्टियों के लिए रखेंगी रात्रिभोज

नई दिल्ली। पटना के बाद अब बेंगलुरू में 17-18 जुलाई को विपक्षी एकता की बैठक होगी। इस बैठक में कुल 25 राजनीतिक दलों के शामिल होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि 17 जुलाई को सोनिया गांधी पार्टी के सभी नेताओं को रात्रिभोज पर आमंत्रित कर सकती हैं। वहीं, बैठक में एक नया दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग भी शामिल होगा। इसके अलावा, बैठक के लिए आम आदमी पार्टी को भी निमंत्रण दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बेंगलुरु में होने वाली बैठक में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल हो सकती हैं। इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी यही दावा किया था। गौरतलब है, पटना में हुई बैठक में करीब 17 दलों ने हिस्सा लिया था। विपक्षी एकता की दूसरी बैठक के लिए आठ नई पार्टियों को निमंत्रण भेजा गया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि नई पार्टियों में से केडीएमके और एमडीएमके 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के सहयोगी थे। वहीं, 23 जून को पटना में हुई बैठक में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, ममता बनर्जी, शरद पवार समेत अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए थे। आम आदमी पार्टी ने कहा था कि अगर कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश मुद्दे पर पार्टी का समर्थन नहीं करती है तो वह विपक्षी एकता से अलग हो जाएगी।

लाहौर में दर्दनाक हादसा, घर में मौजूद 10 लोगों की जलकर मौत

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। लाहौर में बुधवार को एक घर में भीषण आग लगने से छह बच्चों सहित एक ही परिवार के 10 लोगों की जलकर मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जियो न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना लाहौर के भाटी गेट इलाके में तड़के हुई, जब एक रेफ्रिजरेटर का कंप्रेसर फट गया। इस दौरान घर में भीषण आग लग गई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि घर में धुआं बाहर निकलने के लिए कोई वेंटिलेशन नहीं था। बता दें कि घर में जिस वक्त आग लगी, उस दौरान परिवार के दस सदस्यों घर में मौजूद थे। इसमें एक व्यक्ति और उसकी पत्नी, दो अन्य महिलाएं, पांच बच्चे और एक सात महीने का शिशु भी था। 10 लोगों की आग में जलने से मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि परिवार का एक सदस्य इमारत से कूदकर आग से बचने में कामयाब रहा। बचाव दल ने कहा कि इमारत पूरी तरह से जल गई, जिसे दमकल की गाड़ियों की मदद से बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पंजाब के अंतरिम मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने घटना की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं।

युवाओं का मिलेगा साथ तभी बनेगी बात कांग्रेस के साथ गठबंधन पर भी हो रहा विचार

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा सुप्रीमो मायावती के युवाओं को जोड़ने के निर्देश के बावजूद नए लोग पार्टी से नहीं जुड़ पा रहे हैं। दरअसल, नए लोगों के पार्टी में शामिल नहीं होने से टीम उस तरह से उत्साहित नहीं है जैसा पिछले चुनावों में रही है। हालांकि टीम को मजबूती देने के लिए मायावती पहले तीन माह लखनऊ फिर दिल्ली में बैठकें कर रही हैं। उधर मुस्लिमों को जोड़ने के लिए पूर्व विधायक इमरान मसूद को शामिल कर इसी क्रम को आगे बढ़ाने की तैयारी है। विधानसभा चुनाव में दलित मुस्लिम समीकरण पर दांव लगाने के बावजूद बसपा चारों खाने चित हो गई थी। बावजूद इसके पार्टी के रणनीतिकारों का अब भी यही मानना है कि दलित मुस्लिम समीकरण बसपा का सबसे अच्छा हथियार है। लोकसभा चुनाव में भी यही फामूर्ला नैया पार लगाएगा। कुछ सीटों पर सोशल इंजीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए मायावती ने सभी कोऑर्डिनेटरो से कहा कि नए लोगों को पार्टी में शामिल करें और ऐसी सीटों पर पिछड़े वर्ग के लोगों को प्राथमिकता दें।

गठबंधन पर निगाहः भले ही मायावती यह कहती हों कि बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन रणनीतिकार गठबंधन के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं। देखना यह है कि बसपा की कांग्रेस के साथ बात बनती है या फिर छोटे दलों को जोड़कर आगे बढ़ती है। पार्टी की निगाह ऐसे दलों पर भी है जो दूसरे दलों में बागी तेवर दिखा रहे हैं।

वोट प्रतिशत के साथ समीकरण जरूरीः बसपा ने बूथ कमेटियों को एक्टिव किया है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा और रालोद के साथ बसपा ने 19.4 प्रतिशत मतों के साथ दस सीटें जीतीं थीं। 2014 में तो बसपा का खाता भी नहीं खुला था। ऐसे में यदि माकूल समीकरण नहीं बनें तो पार्टी को इस बार भी मुश्किल हो सकती है।

पंजाब-हरियाणा रूट की 12 ट्रेनें रहीं निरस्त, ट्रैक पर भरा पानी

लखनऊ। भारी बारिश के कारण पंजाब और हरियाणा रूट से आने वाली ट्रेनों का संचालन मंगलवार को दूसरे दिन भी प्रभावित रहा। ट्रैक पर पानी भरने के कारण 12 ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को भी कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इनमें चंडीगढ़-लखनऊ सुपरफास्ट, जम्मूतवी और लखनऊ बेगमपुरा एक्सप्रेस शामिल हैं। बृहस्पतिवार को जम्मूतवी-हावड़ा हिमगिरि एक्सप्रेस भी निरस्त रहेगी। मंगलवार को 15098 अमरनाथ एक्सप्रेस और बेगमपुरा एक्सप्रेस जम्मूतवी से निरस्त रही। बेगमपुरा एक्सप्रेस वाराणसी से और हिमगिरि एक्सप्रेस हावड़ा से निरस्त रही। चंडीगढ़ से चंडीगढ़-लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस, चंडीगढ़-लखनऊ सुपरफास्ट और लखनऊ से लखनऊ-चंडीगढ़ सुपरफास्ट भी निरस्त रही।

उत्तराखंड में दरकते पहाड़ : मानसून आते ही थम गई रफ्तार, अब तक 1500 से अधिक सड़कें हुईं बंद, सात पुल क्षतिग्रस्त

देहरादून। इस साल मानसून ने उत्तराखंड में धमाकेदार एंट्री की है। एक जुलाई से अब तक प्रदेश में सामान्य से सात प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इसका सीधा असर सड़कों पर भी पड़ा है। भारी बारिश के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और दूसरे अन्य कारणों से अब तक 1500 से अधिक सड़कें बंद हो चुकी हैं, जबकि पिछले वर्ष जुलाई के अंत तक यह आंकड़ा मात्र 1400 पहुंचा था। पिछले वर्ष प्रदेश में 15 जून को मानसून सक्रिय हो गया था, जबकि इस बार 25 जून के बाद इसने रफ्तार पकड़ी। हालांकि, इससे करीब चार-पांच दिन पहले से प्री मानसून की बारिश हो चुकी थी। प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में मानसून की बारिश हमेशा आफत लेकर आती है। सबसे अधिक कहर सड़कों पर बरसता है। बारिश में स्लिप आने और क्रॉनिक लैंडस्लाइड जोन (अति संवेदनशील) सड़कों के बंद होने का बड़ा कारण बनते हैं। पहले से चिह्नित भूस्खलन क्षेत्रों के अलावा हर साल नए क्रॉनिक जोन विकसित हो रहे हैं, जो सरकार के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं। लोनिवि की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक कुल 1,508 सड़कें बंद हो चुकी हैं। इनमें 1,120 सड़कें लोनिवि, सात एनएच और 381 पीएमजीएसवाई की हैं। इनमें से अब तक 1,235 सड़कों को खोला जा चुका है, जबकि 273 अब भी बंद हैं। इन सड़कों को चालू हालत में लाने के लिए 1,776.24 लाख रुपये खर्च होंगे, जबकि पूर्व की हालत में लाने के लिए 3,560.66 लाख रुपये की जरूरत पड़ेगी। यह आकलन लोनिवि की ओर से अपनी रिपोर्ट में किया गया है। प्रदेश में भारी बारिश के बाद उपजे हालात के कारण सात पुलों को भी नुकसान पहुंचा है। इनको चालू करने के लिए 14 लाख रुपये खर्च होंगे, जबकि पूर्व की हालत में लाने के लिए कुल 337.50 लाख रुपये खर्च होंगे। अब तक क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और पुलों को पूर्व की स्थिति में लाने के लिए सरकार को करोड़ों रखर्च करने पड़ेंगे।

मुख्तार अंसारी की दिल्ली, पंजाब में 200 करोड़ की संपत्तियां होंगी कुर्क, करीबी ने आयकर विभाग के सामने उगले राज

गाजीपुर। बांदा जेल में माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। आयकर विभाग की पूछताछ में उसके करीबी गणेशदत्त मिश्रा ने कई राज उगले हैं। जनपद और प्रदेश ही नहीं, अन्य प्रांतों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों का पता चला है। विभाग मुख्तार और उसके गैंग के लोगों के खिलाफ जमीन की कुर्की की कार्रवाई 'पैंथर" नामक आपरेशन का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार उप्र के अलावा पंजाब, दिल्ली में भी मुख्तार की करीब 50 बेनामी संपत्तियों में से ज्यादातर गणेशदत्त मिश्रा के नाम से हैं, लेकिन पैसा मुख्तार का लगा है। जांच में इन संपत्तियों के लेन-देन में भी फजीर्वाड़ा पाया गया है। अब तक इनके बारे में पुलिस को पता नहीं था। यह सभी बेनामी संपत्तियां मुख्तार ने अपने गिरोह के किसी न किसी सदस्य के नाम ले रखी हैं। बीते 20 जून को शहर कोतवाली पुलिस गणेशदत्त मिश्रा को गिरफ्तार कर लखनऊ ले गई और आयकर विभाग को सौंप दिया था। मुख्तार अंसारी के रियल एस्टेट का कारोबार गणेशदत्त मिश्रा ही देखता था। जिले में अब तक उसकी 20 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। मुख्तार पर विभिन्न राज्यों में 61 आपराधिक मामले हैं, जिनमें से छह में दोषी ठहराया जा चुका है। छह दिसंबर 2020 को गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस फोर्स ने गणेश के चार मंजिला भवन को ध्वस्त कर दिया था। 12 अक्टूबर 2022 रजदेपुर देहाती में तीन व कपूरपुर मौजा में एक संपत्ति को कुर्क किया था, जिसकी कीमत 14.20 करोड़ रुपये थी। 11 मई को लखनऊ से पहुंची इनकम टैक्स की टीम ने कपूरपुर में गणेशदत्त की दो संपत्ति को कुर्क किया था। इसी मामले में इनकम टैक्स टीम ने गणेशदत्त को कई बार नोटिस जारी किया था। इस बेनामी संपत्ति के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया, उसका भी गणेशदत्त ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद गैर जमानती वारंट जारी होने पर शहर कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र ने उठाया बड़ा कदम, उपभोक्ताओं को शुक्रवार से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। केंद्र ने नेफेड, एनसीसीएफ को प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों में वितरण के लिए आंध्र, कर्नाटक, महाराष्ट्र से टमाटर खरीदने का निर्देश दिया है। सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में उपभोक्ताओं को शुक्रवार से रियायती कीमतों पर खुदरा दुकानों के माध्यम से टमाटर का वितरण किया जाएगा। देश के कई हिस्सों में टमाटर की कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम के पार हो गई है। यहां तक कि थोक मंडियों में इसके भाव 150 रुपये से 180 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार बीते एक पखवारे दौरान ही बाजार में टमाटर की कीमतें चार गुना और कहीं-कहीं उससे भी ज्यादा हो गईं हैं। गाजियाबाद की थोक सब्जी मंडी से टमाटर खरीद कर खुदरा बाजार में बेचने वाले सचिन बताते हैं कि जून की शुरूआत में जो टमाटर बाजार में अपनी क्वालिटी के हिसाब से 30 से 40 रुपये के भाव पर बिक रहा था उसकी कीमतें अब 100 से 180 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गईं हैं। टमाटर के के अलावे हरी मिर्च की कीमतें भी आसामान छू रही हैं। हरी मिर्च की कीमत पिछले पखवारे में जहां 50 से 60 रुपये किलो थी, अब 120 रुपये प्रतिकिलो पहुंच गई है। अदरक के भाव भी 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। सब्जियों के भाव बढ़ने से गृहणियों के रसोई का बजट बिगड़ गया है। टमाटर ने पहले ही किचन से दूरी बना ली थी। अब मिर्च और अदरक के भाव भी उछलने से आम लोग परेशान हैं। उम्मीद है कि टमाटर के मामले में सरकार की ओर से उठाए गए कदम से लोगों को राहत मिलेगी। बाजार में सब्जियों की बढ़ती कीमतों पर स्थानीय गृहणी संध्या और कविता ने बताया कि टमाटर का इस्तेमाल न होने से लोग परेशान तो हैं ही सब्जियों का स्वाद भी प्रभावित हो रहा है। अब टमाटर के साथ ही हरी मिर्च के दाम भी बढ़ गए हैं। इससे परेशानी और बढ़ गई है। गृहिणी विमला, सरोज, सुनीता कहती हैं कि जिस प्रकार से सब्जियों के दाम बढ़ रहे हैं, उससे लग रहा है कि आने वाले दिनों में हरी सब्जियां रसोई से दूर हो जाएंगी।

बाबा बागेश्वर की कथा सुनने ग्रेटर नोएडा में उमड़ी लाखों भक्तों की भीड़, 8 लोग हुए बेहोश

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जैतपुर गांव चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। यहां बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने के लिए पहुंचे आठ लोग भारी भीड़ में बेहोश हो गए। उन्हें एंबुलेंस के जरिये अस्पताल भेजा गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में तीन महिलाओं और एक पुरुष को भर्ती किया गया था, जिसमें से एक महिला को इलाज कर वापस भेज दिया गया है। इमरजेंसी विभाग की डॉ रुचि सिंह ने बताया भीड़ में घुटन की वजह से चारों को परेशानी हुई थी। अस्पताल में भर्ती तीनों मरीज की हालत अब स्थिर है। उल्लेखनीय है कि यहां 10 जुलाई से 16 जुलाई तक बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री भागवत कथा सुनाएंगे। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की लाखों की भीड़ एकत्र होने का दावा किया जा रहा है। वहीं, आज यानी 12 जुलाई को दिव्य दरबार लगाया गया। जिसमें लाखों लोगों के पहुंचने से पंडाल में उमस बढ़ गई। इससे भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली में टूटा यमुना के जलस्तर का 45 साल पुराना रिकॉर्ड, धारा 144 लागू, केजरीवाल ने बुलाई आपात बैठक

पूर्वी दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते इन दिनों यमुना नदी उफान पर है। यही वजह है कि दिल्ली में इसका जलस्तर 45 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 207.55 मीटर पर पहुंच गया है। दिल्ली में आखिरी बार यमुना का जलस्तर 1978 में रिकॉर्ड स्तर 207.49 मीटर तक पहुंचा था। इसके बाद अब 2023 में इसका रिकॉर्ड टूटा है। प्रीत विहार के एसडीएम व बाढ़ के नोडल अफसर राजेंद्र कुमार ने कहा कि प्रशासन बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। खादर क्षेत्र से लोगों को निकाल लिया गया है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में धारा 144 लागू– दिल्ली के जिन इलाकों में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है, वहां एहतियात के तौर पर धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके साथ ही अब प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

दिल्ली के सीएम ने बुलाई आपात बैठक– यमुना के जलस्तर का 45 साल पुराना रिकॉर्ड टूटने पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आपात बैठक बुलाई है।

इन इलाकों में सिविल डिफेंस वॉलंटियर हैं तैनात– गीता कॉलोनी, पुराना लोहापुल व वजीराबाद रोड और सिग्नेचर ब्रिज पर भी सिविल डिफेंस वॉलंटियर तैनात किए गए हैं, ताकि वहां पर लोगों की भीड़ जमा न हो। अभी रिहायशी क्षेत्र में पानी पहुंचने की संभावना नहीं है।

अभी नहीं भरेगा रिहायशी इलाकों में पानी– अधिकारियों के अनुसार, पुश्ता होने की वजह से रिहाशी क्षेत्र में अभी पानी नहीं भरेगा। पुश्ते के पास गीता कॉलोनी, उस्मानपुर, शास्त्री पार्क, सोनिया विहार, भजनपुरा, खजूरी, गांधी नगर, किशनकुंज, मयूर विहार फेज-एक सहित कई कॉलोनी बसी हुई हैं।

पूर्वी दिल्ली में 60 लोगों का किया रेस्क्यू– पूर्वी दिल्ली में खेल गांव के पास खादर में जलस्तर बढ़ने से फंसे 60 लोगों का रेस्क्यू करवाया गया है। यह रेस्क्यू प्रीत विहार एसडीएम राजेन्द्र कुमार व पुलिस ने मिलकर किया है। इसमें महिलाएं व बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, लश्कर-ए-तैयबा के 5 आतंकी गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा भी बरामद

श्रीनगर। पुलिस ने जिला बडगाम में आतंकी हिंसा फैलाने के षडयंत्र में जुटे लश्कर ए तैयबा के पांच ओवरग्राउंड वर्करों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से हथियार कुछ अन्य आपत्तिजनक साजो सामान भी मिला है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को अपने तंत्र से पता चला था कि बडगाम के खाग इलाके में लश्कर ए तैयबा ने अपने ओवरग्राउंड वर्करों का एक नया माडयूल तैयार किया है। यह माडयूल बडगाम जिले के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षाबलों और कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकताओं पर हमले के षडयंत्र को अंजाम देने की तैयारी में लगा हुआ है। पुलिस ने इस माडयूल को पकड़ने के लिए अपने मुखबिरों को सक्रिय किया और माडयूल में शामिल पांच ओवरग्राउंड वर्करों को चिह्नित कर लिया। इसके बाद पुलिस ने सेना की 62 आरआर के जवानों के साथ मिलकर इन सभी को पकड़ने के लिए एक अभियान चलाया। यह अभियान मंगलवार की शाम को शुरू हुआ और आज सुबह समाप्त हुआ। पकड़े गए पांच ओवरग्राउंड वर्करों की पहचान रौऊफ अहमद वानी, हिलाल अहमद मलिक, तौफीक अहमद डार, दानिश अहमद डार और शौकत अली डार के रूप में हुई है।

इन पांचों की निशानदेही पर पुलिस ने हथियारों का एक जखीरा व अन्य साजो सामान भी बरामद किया है। यह सभी बारामुला और बडगाम में सक्रिय लश्कर ए तैयबा के आतंकियों के अलावा गुलाम कश्मीर बैठे आतंकी सरगनाओं के साथ भी लगातार संपर्क में थे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इन सभी से पूछताछ जारी है। अन्य विवरण की प्रतीक्षा है।

संपादकीय

पिछले 3 दशकों में सदन की घटती बैठकें

मध्यप्रदेश विधानसभा की 15 वीं विधानसभा का आखिरी सत्र मंगलवार से शुरू हो गया है। मात्र 5 दिनों मानसून सत्र आहूत किया गया है। जो पहले ही दिन हंगामें के कारण स्थगित हो गया। पिछले 30 वर्षों में सबसे कम बैठकें इस वर्ष आयोजित की गई हैं। नियम के अनुसार 1 साल में 120 बैठकें आयोजित करने का नियम है। लेकिन आखिरी सत्र को मिलाकर मध्यप्रदेश विधानसभा की केवल 75 बैठकें ही आहूत की गई हैं। इसमें भी 45 दिन की बैठकों में हो-हल्ला और हंगामा होता रहा। मात्र 30 दिन ही प्रश्न उत्तर और बिलों पर चर्चा हुई है। 45 दिन कोई भी विधि -विधाई कार्य नहीं हुआ। यह हाल केवल मध्यप्रदेश का नहीं है। पिछले 30 वर्षों में विधानसभा और लोकसभा में बैठकों की संख्या मे निरंतर कमीहो रही है। पिछले 10 वर्षों में लोकसभा और राज्यसभा की बैठकें पिछले वर्षों की तुलना में बहुत कम हुई हैं। लोकसभा, राज्य सभा और विधान सभाओं में जिस तरीके से सदन के अंदर बैठकों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में हंगामे होते हैं। बिलों को जिस तरह बिना किसी विचार विमर्श के हो हल्ले के बीच सदन से पास करा लिया जाता है। सांसद और विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने का मौका भी सदन में नहीं मिलता है। प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर के जो नियम और कानून बनाए जा रहे हैं। उन पर भी निर्वाचित प्रतिनिधियों को ना तो अध्ययन करने और नाही विचार रखने का उन्हें मौका दिया जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंताजनक स्थिति है। कुछ वर्षों से यह कहा जाता है, कि सरकार की मंशा के अनुरूप लोकसभा अध्यक्ष हों,या विधानसभाओं के अध्यक्ष हों। वह सरकार की मंशा के अनुरूप सदन की बैठकें बुलाते हैं। जबकि लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है, कि सदस्यों को अपनी बात कहने का अवसर सदन में पर्याप्त रूप से मिले। जो भी बिल सदन में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उनमें पर्याप्त चर्चा हो। चर्चा के पश्चात ही बिलों को पारित किया जाए। इसके लिए बड़ी मोटी मोटी किताबों में संसद और विधानसभाओं ने अपने नियम भी बना रखे हैं। इन नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की ही होती है। लेकिन देखा जा रहा है, कि सत्ता पक्ष के दबाव में लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष अपने कर्तव्यों का निर्वहन वैसा नहीं कर पा रहे हैं, जैसा उन्हें करना चाहिए। लोकसभा और विधानसभा में जिस तरह से बिना चर्चा के कानून पारित किए जा रहे हैं। यह पूर्णता असंवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत हैं। यदि लोकसभा, विधानसभा और सरकार अपने ही बनाए गए नियमों का पालन नहीं करेगी। तो इस स्थिति में किस तरह से यह आशा की जा सकती है,कि विपक्षी दल और नागरिक नियमों और कानूनों का पालन करेंगे। नियम कानून और व्यवस्थाएं नैतिकता के आधार पर चलती हैं। डंडा मारकर नियम और कानून का पालन नहीं कराया जा सकता है। जिस तरह से सदन में बैठकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। नागरिकों के अधिकारों के हनन की बात,यदि हम छोड़ भी दें। विधायक और सांसद भी अपने अधिकारों की रक्षा सदन में नहीं कर पा रहे हैं। जिन नागरिकों ने उन्हें अपने अधिकार से निर्वाचित किया है। वह सदन में अपनी बात ही नहीं कह पाते हैं। सांसद और विधायक जो प्रश्न लगाते हैं। उन्हें तारांकित और अतारांकित प्रश्न के रूप में भी सदन में स्वीकार नहीं किया जाकर, चुनिंदा प्रश्नों और चुनिंदा विधायकों-सांसदों के प्रश्नों को कार्यवाही में शामिल किया जाता है। जिसके कारण निर्वाचित सदस्यों को अपने प्रश्न के उत्तर भी सरकार से नहीं मिलते हैं। जो निर्वाचित सदस्यों के मौलिक अधिकारों का हनन है। सदस्य संख्या के आधार पर लोकसभा सदस्य, विधान सभा के सदस्य अपनी बात सदन में रख पाएं। इसके लिए कभी भी कोई समय सारणी तैयार नहीं की गई है। यदि बैठक नहीं हो पाई है तो सदन की बैठकें आगे भी बढ़ाई जा सकती हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि लोकसभा अध्यक्ष ओर विधानसभा अध्यक्ष, हो हल्ले के बीच कानून बनाने की स्वीकृति सरकार को दे देते हैं। जो पूर्णता अवैधानिक है। उसके बाद भी यह क्रम लगातार बढ़ता चला जा रहा है। लोकसभा और विधानसभा के अध्यक्ष अपने सांसदों और विधायकों के अधिकारों को संरक्षण कर सकते हैं। संविधान ने उन्हें पूरी शक्तियां दी हैं। लेकिन वह अपनी शक्ति का पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के हस्तक्षेप की जरूरत महसूस की जा रही है। सदन में जो भी नियम और कानून तैयार किए जा रहे हैं।

दोषारोपण करना है!

ना पड़ेगा फर्क ।
लाख दो सुझाव ।।
दोषारोपण करना है ।
ना आया ठहराव ।।
निकले आज बाहर ।
ऐसा ही बयान ।।
नासमझ हैं जितने ।
दिया उनको ज्ञान ।।
किया कितना काम ।
इसको नहीं बताया ।।
अब तक वहां राहत ।
है कितने को पहुंचाया ।।
खोखले जो दावे ।
कैसे ऐतबार ?
फिर भी जनता आम ।
है बैठी तैयार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भक्तों के फौजदारी मामले की सुनवाई करते हैं बाबा बासुकीनाथ

श्रावण माह भगवान शिव को समर्पित है। भगवान शिव तो संहारक है, सृजन कर्ता और नव निर्माण कर्ता भी है। शिव अर्थात कल्याणकारी, सर्वसिद्धिदायक, सर्वश्रेयस्कर कल्याणस्वरूप और कल्याणप्रदाता है। जो हमेशा योगमुद्रा में विराजमान रहते है और हमें जीवन में योगस्थ, जीवंत और जागृत रहने की शिक्षा देते है। पुराणों में उल्लेख है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष के विनाशकारी प्रभावों से इस धरा को सुरक्षित रखने के लिये भगवान शिव में उस हलाहल विष को अपने कंठ में धारण किया और पूरी पृथ्वी को विषाक्त होने से; प्रदूषित होने से बचा लिया। भगवान शिव ने विष शमन करने के लिये अपने सिर पर अर्धचंद्राकार चंद्रमा को धारण किया तथा सभी देवताओं ने माँ गंगा का पवित्र जल उनके मस्तक पर डाला ताकि उनका शरीर शीतल रहे तथा विष की उष्णता कम हो जाये। चूंकि ये घटना श्रावण मास के दौरान हुई थीं, इसलिए श्रावण में शिवजी को माँ गंगा का पवित्र जल अर्पित कर शिवाभिषेक किया जाता है, कांवड यात्रा इसी का प्रतीक है। शिवाभिषेक से तात्पर्य दिव्यता को आत्मसात कर आत्मा को प्रकाशित करना है। प्रतीकात्मक रूप से शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित करने का उद्देश्य है कि हमारे अन्दर की और वातावरण की नकारात्मकता दूर हो तथा सम्पूर्ण ब्रह्मण्ड में सकारात्मकता का समावेश हो।

तीर्थ नगरी देवधर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा बैधनाथ और सुलतानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में सुरभ्य वातावरण में स्थित बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं, वरन् राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैव-स्थल के रूप में होती है। देवघर-दुमका मुख्य मार्ग पर स्थित इस पावन धाम में श्रावणी- मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवरिया तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती हैं। ऐसी मान्यता है कि बासुकीनाथ की पूजा के बिना बाबा बैद्यनाथ की पूजा अधुरी है। यही कारण है कि भक्तगण बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ साथ यहां आकर नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बाबा बासुकीनाथ की अराधना करते हैं। सावन के महीने में तो हजारों द्द लाखों भक्तगण सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में भरते हैं। फिर एक सौ किलोमीटर से भी अधिक पहाड़ी जंगली रास्ते पैदल पारकर इसे देवघर में बैधनाथ ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं। इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योतिर्लिंग पर जल-अर्पण करते हैं। भगवान शिव औघड़दानी कहलाते हैं। भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर तुरंत वरदान देनेवाले। तभी तो शिवभक्तों की नजरों में यहां भगवान शंकर की अदालत लगती है। शिव-भक्त मानते हैं कि जहां (बैद्यनाथ धाम) भगवान शंकर की दीवानी अदालत है, वही बासुकीनाथ धाम उनकी फौजदारी अदालत है। बाबा बासुकीनाथ के दरबार में मांगी गयी मुरादों की तुरंत सुनवाई होती है। यही कारण है कि साल के बारहों महीने यहां देश के कोने-कोने से भक्तों का आवागमन जारी रहता है।

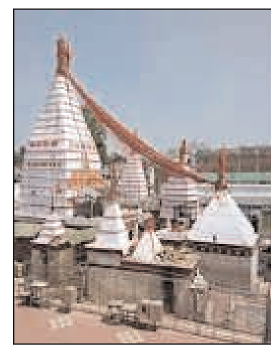

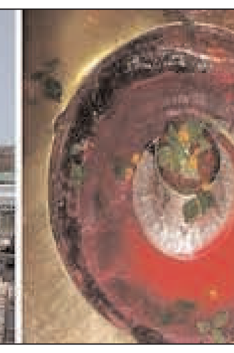

प्राचीन काल में बासुकीनाथ घने जंगलों से घिरा था। उन दिनों यह क्षेत्र दारूक-वन कहलाता था। पौराणिक कथा के अनुसार इसी दारुक-बन में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निवास था। शिव पुराण में वर्णित है कि दारूक-बन दारूक नाम के असुर के अधीन था। कहते हैं, इसी दारूक-बन के नाम पर संताल परगना प्रमंडल के मुख्यालय दुमका का नाम पड़ा है। बासुकीनाथ शिवलिंग के आविर्भाव की कथा अत्यंत निराली है। एक बार की बात है- बासु नाम का एक व्यक्ति कंद की खोज में भूमि खोद रहा था। उसके शस्त्र से शिवलिंग पर चोट पड़ी। बस क्या था- उससे रक्त की धार बह चली। बासु यह दृश्य देखकर भयभीत हो गया। उसी क्षण भगवान शंकर ने उसे आकाशवाणी के द्वारा धीरज दिया द्द डरो मत, यहां मेरा निवास है। भगवान भोलेनाथ की वाणी सुन बासु श्रद्धा-भक्ति से अभिभूत हो गया और उसी समय से उस लिंग की मूर्त्ति-पूजन करने लगा। बासु द्वारा पूजित होने के कारण उनका नाम बासुकीनाथ पड़ गया। उसी समय से यहां शिव-पूजन की जो परम्परा शुरू हुई, वो आज तक विद्यमान है। आज यहां भगवान भोले शंकर और माता पार्वती का विशाल मंदिर है। मुख्य मंदिर के बगल में शिव गंगा है जहां भक्तगण स्नान कर अपने आराध्य को बेल-पत्र, पुष्प और गंगाजल समर्पित करते हैं तथा अपने कष्ट क्लेशों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं।

यह माना जाता है कि वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में हुई। हिंदुओं के कई ग्रंथों में सागर मंथन का वर्णन किया गया है, जब देवताओं और असुरों ने मिलकर सागर मंथन किया था। बासुकीनाथ मंदिर का इतिहास भी सागर मंथन से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए वासुकी नाग को माध्यम बनाया गया था। इन्हीं वासुकी नाग ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यही कारण है कि यहाँ विराजमान भगवान शिव को बासुकीनाथ कहा जाता है

इसके अलावा मंदिर के विषय में एक स्थानीय मान्यता भी है। कहा जाता है कि यह स्थान कभी एक हरे-भरे वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था। कुछ समय के बाद यहाँ मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे। ये मनुष्य कंदमूल की तलाश में वन क्षेत्र में आया करते थे। इसी क्रम में एक बार बासुकी नाम का एक व्यक्ति भी भोजन की तलाश में जंगल आया। उसने कंदमूल प्राप्त करने के लिए जमीन को खोदना शुरू किया। तभी अचानक एक स्थान से खून बहने लगा। बासुकी घबराकर वहाँ से जाने लगा तब आकाशवाणी हुई और बासुकी को यह आदेशित किया गया कि वह उस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना प्रारंभ करे। बासुकी ने जमीन से प्रकट हुए भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी, तब से यहाँ स्थित भगवान शिव बासुकीनाथ कहलाए।

भगवान भोले शंकर की महिमा अपरंमपार है। वे देवों के देव महादेव कहलाते हैं। वे व्याघ्र चर्म धारण करते हैं, नंदी की सवारी करते हैं, शरीर में भूत-भभूत लगाते हैं, श्माशान में वास करते हैं, फिर भी औघड़दानी कहलाते हैं। दिल से जो कुछ भी मांगों, बाबा जरूर देगे। जैसे भगवान भोले शंकर, वैसे उनके भक्तगण! बाबा हैं कि उन्हें किसी प्रकार के साज-बाज से कोई मतलब नहीं, और भक्त हैं कि दुनिया के सारे आभूषण और अलंकार उनपर न्यौछावर करने के लिये तत्पर! अपने आराध्य को प्रसन्न करने के लिये! भक्त और भगवान की यह ठिठोली ही तो भारतीय धर्म और संस्कृति का वैशिष्ट्य है। श्रावण मास में शिव पूजन के अलावा यहां की महाश्रृगांरी भी अनुपम है। कहते हैं कि कलियुग में वसुधैव कुटुम्बकम तथा सर्वे भवंतु सुखिनः जैसी उक्तियों को प्रतिपादित करने के लिये शिव की उपासना से बढ़कर अन्य कोई मार्ग नहीं हैं! और, शिव की उपासना की सर्वोत्तम विधि है झ महाश्रृगांर का आयोजन! गंगाजल घी, दूध दही, बेलपत्र आदि शिव की प्रिय वस्तुओं को अर्पित कर उन्हें प्रसन्न करने का सबसे उत्तम उपाय। तभी तो साल के मांगलिक अवसरों पर भक्तगण बाबा बासुकीनाथ की महाश्रृगांरी और महामस्तकाभिषेक का आयोजन करते हैं। महाश्रृंगार के दिन बासुकीनाथ की शिव-नगरी नयी-नवेली दुलहन की तरह सज उठती है-मानों स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया हो। लगता है द्दवेव -लोक के सभी देवी–देवता पृथ्वी-लोक पर अवतरित हो गये हैं- भगवान भूतनाथ की रूप-सज्जा देखने के लिये। आये भी क्यों नहीं। देवों के देव महादेव की महाश्रृगांरी जो है।

भारत की महत्वपूर्ण सामरिक संपत्ति लक्षद्वीप का कायापलट कर रही है मोदी सरकार

जब भारत के हिंद महासागर में प्रभुत्व की बात होती है तो न केवल अंडमान-निकोबार द्वीप समूह अपितु एक और महत्वपूर्ण द्वीप समूह भारत की रणनीतिक स्थिति को अरब सागर में मजबूत करता है इसका नाम है लक्षद्वीप। यह द्वीपसमूह भी भारत के सबसे महत्वपूर्ण सामरिक संपत्तियों में से एक है। लक्षदीप का शाब्दिक अर्थ है एक लाख द्वीपों वाला समूह। यह भारत की मुख्य भूमि से 400 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह द्वीप समूह 9 डिग्री चैनल तथा 11th समानांतर उत्तरी रेखा के द्वारा तीन भागों में विभाजित होता है। 9° चैनल का रणनीतिक महत्व इस प्रकार से समझा जा सकता है कि यहां से हर मिनट 12 व्यापारिक जहाज गुजरते हैं। यह वैश्विक व्यापारिक जलमार्ग की जीवन रेखा है। यह जलमार्ग अदन की खाड़ी तथा ओमान की खाड़ी को सिंगापुर, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया को जोड़ने वाला विशिष्ट जलमार्ग है। भारत सरकार के द्वारा एक बेहद महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए लक्षद्वीप के मिनीकाय द्वीप पर एक हवाई पट्टी के निर्माण का निर्णय लिया गया है। भारत के इस निर्णय से इस समुद्री क्षेत्र में चीन एवं पाकिस्तान की किसी भी गतिविधि पर त्वरित प्रत्युत्तर दिया जा सकेगा।

32 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए 36 द्वीपों के समूह में मात्र 10 द्वीप ऐसे हैं जिसमें कुल 60000 लोग निवास करते हैं। भारत के मुख्य भूमि की अपेक्षा यह लगभग नगण्य क्षेत्रफल सामरिक एवं भू राजनैतिक कारणों से बेहद महत्वपूर्ण है। लक्षद्वीप में पाए जाने वाले लागू तथा एक्सक्लूसिव आर्थिक क्षेत्र में मत्स्य व्यापार के साथ ही बेहद महत्वपूर्ण मिनरल्स के भी भंडार हैं। मालदीव की राजनीतिक अस्थिरता तथा चीन के स्ट्रिंग आफ पर्ल्स में एक सहयोगी की भूमिका निभाने के कारण मालदीव भारत के लिए एक संभावित संकट हो सकता है। ऐसी किसी भी परिस्थिति में लक्षद्वीप का मालदीव के बेहद करीब होने का भारत को लाभ अवश्य मिलता है। अदन की खाड़ी तथा सोमालिया के कारण अरब सागर में समुद्री लुटेरों का जो संभावित संकट रहता है उस पर लक्षद्वीप के द्वारा भारत बेहतरीन नियंत्रण स्थापित कर पाता है। भविष्य में और बेहतर नियंत्रण स्थापित करने की संभावनाएं सदैव मौजूद हैं।

समुद्र के रास्ते 2008 में आतंकवादियों द्वारा घुसकर मुंबई हमले को अंजाम देने की घटना, मालदीव में बढ़ता हुआ कट्टरवाद और पाकिस्तान की घुसपैठ आदि भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ाने वाली हैं।

इंदिरा गांधी के शासनकाल में दक्षिणी वायु सेवा कमान का मुख्यालय त्रिवेंद्रम में स्थापित किया गया परंतु एयर बेस तमिलनाडु के सुलुर में होने के कारण अरब सागर में वायुसेना का युद्धक नियंत्रण कमजोर हो गया। भारत में देश की आजादी के बाद से ही तटीय सुरक्षा को लेकर बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया गया। सरकारों के द्वारा गंभीरता से इस विषय पर मुंबई आतंकी हमले के बाद विचार करना प्रारंभ किया गया। कई खुफिया एजेंसियों के द्वारा सूचनाओं प्राप्त हुई कि पाकिस्तान का लश्कर-ए-तैयबा लक्षद्वीप के किसी निर्जन द्वीप का प्रयोग अपने बेस के तौर पर कर सकता है। 2010 में भारत सरकार द्वारा कवारत्ती एवं मिनिकॉय द्वीपों पर भारतीय तटरक्षक स्टेशन को कमिशन किया गया। 2016 में मोदी सरकार के द्वारा एंड्रॉट द्वीप पर एक नेवल अटैचमेंट भी कमिशन किया गया। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार लक्षद्वीप में एक उच्च स्टार का नवल बेस बनाने की परियोजना पर विचार कर रही है। इस नवल बेस की सहायता से भारत सरकार इस संपूर्ण क्षेत्र में निगरानी एवं नियंत्रण स्थापित कर स्मगलिंग, समुद्री लूट एवं आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित कर सकेगी। चीन द्वारा श्रीलंका में हम्बनटोटा पोर्ट का निर्माण तथा मालदीव के कई द्वीपों पर नियंत्रण स्थापित करने से उप संकट का निवारण लक्षद्वीप के आत्मनिर्भर नेवल बेस से संभव हो सकेगा। भारत सरकार अगाती द्वीप पर स्थित हवाई पट्टी को 1000 मीटर से बढ़ाकर 3200 मीटर किए जाने की दिशा में विचार कर रही है। इस हवाई पट्टी के माध्यम से नौसेना की बोइंग P-8I पोसायडन एयरक्राफ्ट तथा INS रजाली पर स्थित अल्बेट्रॉस स्क्वाड्रन को भी यहां स्टेशन किया जा सकेगा। द्वीप से उड़ान भरने के बाद पोसायडन विमान की पहुंच अफ्रीका तक हो जाएगी। इन द्वीपों पर विकसित होने वाली हवाई पट्टियां युद्ध की स्थिति में नौसेना को एक फॉरवर्ड पोजीशन उपलब्ध करा पाएंगी।

अरब सागर में अपने नियंत्रण को मजबूत बनाने के लिए कर्नाटक में निमार्णाधीन कारवार नेवल बेस प्रोजेक्ट के पूर्ण होते ही लक्षद्वीप का नियंत्रण यहां से होगा। कारवार नेवल बेस का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि यह सुएज कैनाल के पूर्व में स्थित सबसे बड़ा एवं सबसे महत्वपूर्ण नेवल बेस होगा। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अंडमान की तर्ज पर लक्षद्वीप में भी बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए इसे समुद्री केबल से जोड़ने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान में भारत सरकार मिनिकॉय द्वीप पर ढाई किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी के निर्माण की परियोजना पर कार्य कर रही है। यह भारत की सामरिक शक्ति को मजबूत करने के साथ ही लक्षद्वीप में टूरिज्म की संभावनाओं को विस्तार देने के लिए बनाया जा रहा है। देश की आजादी के बाद से पहली बार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा हमारे द्वीप समूहों के विकास, उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा में जोड़ने के साथ-साथ देश के सामरिक एवं रणनीतिक महत्व के लिए उचित महत्व दिया जा रहा है। साथ ही तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन सुंदर द्वीप समूह पर जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास भी किया जा रहा है। आने वाले समय में भारतीय पर्यटकों को मालदीव, फिजी आदि देशों के पर्यटन के स्थान पर अपने ही देश में यह सुविधा मिलने लगेगी। पर्यटन से अंडमान, निकोबार एवं लक्षद्वीप के लोगों के जीवन स्तर एवं आय में व्यापक सुधार होने का पूर्ण विश्वास है।

क्या दलाई लामा पर डोरे डालने में सफल हो रहा है चीन? भारत को सतर्क रुख बनाये रखना होगा

भारत में लोकसभा चुनाव की आहट के बीच चीन ने एक बार फिर से नए सिरे से भारत की घेरेबंदी करने का प्रयास करना शुरू कर दिया है। भारत का कट्टर पड़ोसी दुश्मन पाकिस्तान तो पहले से ही चीन के सामने पूरी तरह से बिछा हुआ है लेकिन सबसे बड़े खतरे की बात यह है कि तालिबानी शासन के तौर-तरीकों को पसंद नहीं करने वाला और अपने देश के अंदर सैन्य शक्ति और ताकत के साथ मुस्लिमों का दमन करने वाला चीन अफगानिस्तान को भी फंड और निवेश का लालच दिखाकर अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहा है। जबकि यह वही अफगानिस्तान है, जिसको बचाए और बनाए रखने के लिए भारत ने हमेशा न केवल वित्तीय सहायता दी है बल्कि संकट के हर दौर में पुरजोर तरीके से अफगानिस्तान की जनता का साथ दिया है। अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और पुनर्वास में अब तक अरबों डॉलर की मदद कर चुके भारत ने इस साल के (2023-24) के आम बजट में भी अफगानिस्तान को 200 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। उसी अफगानिस्तान को अब चीन अपने बीआरआई प्रोजेक्ट के सहारे कर्ज के जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा है।

दरअसल, एशिया के चौराहे पर स्थित होने के कारण अफगानिस्तान रणनीतिक तौर पर बहुत ही महत्वपूर्ण देश है। यह दक्षिण एशिया को मध्य एशिया से और मध्य एशिया को पश्चिम एशिया से जोड़ता है। भारत का संपर्क ईरान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे मध्य एशिया के देशों के साथ अफगानिस्तान के माध्यम से ही होता है। मध्य एशिया के देश तेल और गैस से समृद्ध हैं और इसलिए ये दुनिया के किसी भी देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। अफगानिस्तान में बढ़ रहे चीनी प्रभाव से भारत के लिए न केवल कूटनीतिक स्तर पर चुनौतियां पैदा होंगी बल्कि देश के अंदर खासकर कश्मीर और पंजाब में भी कई तरह की चुनौतियां नए सिरे से खड़ी हो जाएंगी क्योंकि तालिबान के आतंकी संगठनों के साथ संबंध तो जगजाहिर हैं ही और यह देश सबसे अधिक अफीम उत्पादक देशों में से भी एक है। मध्य एशिया के देशों को चीन किस तरह से अपने प्रभाव में

लेता जा रहा है, इसकी बानगी हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन जिसे एससीओ के तौर पर जाना जाता है की बैठक में भी दिखाई दिया। एससीओ की बैठक में भारत ने अपने स्टैंड को दोहराते हुए पुरजोर तरीके से चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का विरोध किया। यहां तक कि भारत ने शिखर सम्मेलन के अंत में जारी नई दिल्ली घोषणा में बीआरआई का समर्थन करने वाले पैराग्राफ पर हस्ताक्षर करने तक से इनकार कर दिया। लेकिन भारत के लिए सबसे अधिक चिंताजनक एससीओ में शामिल अन्य मध्य एशियाई देशों का रवैया रहा। आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के मसले पर एससीओ के देशों ने भारत का प्रबल समर्थन किया लेकिन चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट पर भारत के रूख का समर्थन नहीं करते हुए पाकिस्तान और रूस के साथ-साथ कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों ने भी चीन का साथ दिया। पाकिस्तान और रूस की मजबूरी तो समझी जा सकती है लेकिन मध्य एशियाई देशों का यह रुख निश्चित तौर पर भारत के लिए चिंताजनक है। अब चीन ने भारत के पड़ोस में स्थित तिब्बत में भी नया दांव खेलना शुरू कर दिया है। चीन के दमन और आक्रमण के कारण दशकों पहले दलाई लामा ने अपने शिष्यों और तिब्बत के नागरिकों के साथ भारत में आकर राजनीतिक शरण ली थी। चीन की नाराजगी और आक्रमण के बावजूद भारत हमेशा दलाई लामा के साथ खड़ा रहा। यहां तक कि चीन के दमनकारी रवैये से त्रस्त होकर तिब्बती नेता भारत से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार भी चला रहे हैं। लेकिन अब भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और ताकत से डरे चीन ने भारत को घेरने के लिए दलाई लामा और तिब्बत की निर्वासित सरकार पर भी डोरे डालना शुरू कर दिया है। तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि चीन तिब्बत समस्या के समाधान के लिए उनसे संपर्क करना चाहता है। दलाई लामा ने शनिवार को ही धर्मशाला में यह बयान दिया कि वे हमेशा बातचीत के लिए तैयार हैं। चीन को समझना चाहिए कि तिब्बत के लोग आध्यात्मिक रूप से बहुत मजबूत हैं, तिब्बत की समस्या के समाधान के लिए उन्हें उनसे बात करनी चाहिए। उन्होंने आगे यह भी कहा कि वे तिब्बत की स्वतंत्रता नहीं चाहते हैं और चीन का हिस्सा बने रहने के लिए तैयार हैं। अपने वतन लौटने की उम्मीद कर रहे निर्वासित तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने चीन की कोशिशों का जिक्र करते हुए सबसे महत्वपूर्ण बात यह कही कि चीन बदल रहा है और वह औपचारिक या अनौपचारिक तरीके से उनसे संपर्क करना चाहता है। जबकि भारत में रह रहे तिब्बत की निर्वासित सरकार के कई नेता आज भी यह मानते हैं कि तिब्बत में चीन की दमनकारी नीति आज भी जारी है। वहां पर चीन आज भी तिब्बतियों को दलाई लामा की तस्वीरें रखने तक की भी अनुमति नहीं देता है। यहां तक कि अन्य प्रांतों से लोगों को तिब्बत में लाकर लगातार बसाया जा रहा है ताकि तिब्बत की डेमोग्राफी को बदला जा सके। ऐसे में जाहिर है कि, अब भारत को चीन की इन नापाक साजिशों से ज्यादा सतर्क रहना पड़ेगा और काउंटर स्ट्रेटेजी बना कर एक साथ कई मोर्चो पर काम भी करना पड़ेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में जब भी भारत के ऊपर कोई संकट आएगा तो भारत को अकेले ही उसका सामना करना पड़ सकता है।

राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में सत्र की पहली अभिभावक अध्यापक बैठक संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को शैक्षिक सत्र 23-24 की प्रथम अभिभावक अध्यापक बैठक संपन्न हुई। इस दौरान उपस्थित अभिभावकों एवं छात्राओं के माता-पिता ने अपने पाल्यो की शिक्षा एवं महाविद्यालय से उनके संबंधों के बारे में खुलकर चर्चा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रोफेसर डॉ सविता भारद्वाज ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण करके किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अकबरे आजम ने कहा कि महाविद्यालयों में प्रायः ऐसे आयोजन नहीं होते लेकिन हम इसके माध्यम से महाविद्यालय को और खुला, सकारात्मक एवं व्यापक फलक प्रदान करना चाहते हैं। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ संतन कुमार राम ने महाविद्यालय की संक्षिप्त प्रगति एवं रूपरेखा प्रस्तुत किया और उपस्थित अभिभावकों से अनुरोध किया कि आप अपनी बच्चियों को यहां पढ़ने और रहने के लिए प्रेरित करें। मुख्य कुलानुशासक डॉ अमित यादव ने अभिभावकों से

अपील किया की छात्राएं निर्धारित गणवेश में ही महाविद्यालय में आएं और अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाएं। एमएच इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मोहम्मद आमिर खालिद ने कहा कि मेरी कोई बच्ची यहां नहीं पढ़ी है लेकिन मेरे कॉलेज से 500 से अधिक छात्राएं पढ़ती हैं और मैं उन सभी का अभिभावक हूं। इसी क्रम में अभिभावकों ने यहां पर नए विषयों में परास्नातक कक्षाएं चलाने, कॉमर्स संकाय, बीएड की शिक्षा प्रदान करने, नेट जेआरएफ की तैयारी कराने, वाणिज्य एवं व्यवसायिक कोर्स संचालित करने, आवागमन हेतु बस संचालित करने के संबंध में अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर अभिभावकों ने महिला महाविद्यालय को एक स्वर में प्रदेश के महिला विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने की आवश्यकता बताई। इन्होंने यहां की शिक्षण पद्धति, कक्षा संचालन, अध्यापकों के व्यवहार एवं भौतिक संसाधनों के प्रति अपनी संतुष्टि और खुशी प्रकट किया। नवोदय विद्यालय के प्राचार्य डॉ इकरामुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि यहां लड़कियों के लिए बहुत संभावनाए है और उन्हें इन सुविधाओं का लाभ उठाना चाहिए। डेढगावां इंटर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य अशोक कुमार राय ने कहा कि राजकीय महिला महाविद्यालय जनपद का सबसे सस्ता एवं उत्तम महाविद्यालय हैं और इस महाविद्यालय को आधी आबादी को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवसाय परक शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय तक का सफर करना है। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ सविता भारद्वाज ने कहा कि मैं आश्वासन देती हूं कि जो भी कमियां आप लोगों ने सुझाया है। मैं उसे दूर करने का प्रयास करूंगी। यह परिसर आपकी बच्चियों के लिए सर्वाधिक सुरक्षित है क्योंकि यह बेटियां केवल आपकी नहीं बल्कि हमारी भी हैं। कार्यक्रम का कुशल समन्वय एवं संचालन डॉ शिवकुमार ने तथा आभार ज्ञापन प्रोफेसर अनिता कुमारी ने किया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों के रूप में प्रमुख रूप से नीता गुप्ता, अनीता विश्वकर्मा, उर्मिला यादव, अकबर अंसारी, सदानंद यादव, सरोज पांडे, राम नरेश वर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ संगीता मौर्य, डॉ निरंजन कुमार यादव, डॉ विकास सिंह, डॉ शिखा सिंह एवं प्रज्ञा रेंजर छात्राओं ने प्रमुख रूप से सहयोग किया। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक, अभिभावक एवं उनके पाल्य उपस्थित रहे।

उमस और गर्मी से लोगों की बढ़ी परेशानी

जौनपुर। पर्याप्त बारिष न होने से दिनोंदिन गर्म होते मौसम व भारी उमस के कारण आम लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। दिन तो दिन अब रात में भी लोगों को चैन नहीं मिल पा रहा है। हर दिन भीषण गर्मी के बीच बिजली विभाग की मनमानी के कारण आम लोग सांसत में पड़ गए हैं। रात में भी उमस भरी गर्मी में भी इजाफा होने से लोग परेशान हो चले हैं। बुधवार को दिन में दो बार रिमझिम बारिष हुई लेकिन गर्मी में कमी नहीं आयी। आसमान में बादल छाने के बाद फिर धूप निकल आयी। इस दौरान लोग पसीने से तरबतर रहे।

500 बोल बम को वितरित किया वस्त्र

जौनपुर। महराजगंज क्षेत्र के मधुपुर निवासी समाजसेवी पाण्डेय तनुज ने 500 बोल बम श्रद्धालुओं को वस्त्र दिया । समाजसेवी द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी क्षेत्र के मधुपुर, कैलवल, बासुपुर, गाधीनगर, शिवनगर, मीरापुर शिरोमणी,रामनगर उपधान,सहित दर्जनों गांव के श्रद्धालुओं को वस्त्र वितरित किया और बस से प्रयागराज जल लेने के लिए झंडी दिखाकर रवाना किया । इस दौरान पांडेय ने कहा कि श्रद्धालुओं की जरूरत को पूरा करना पुण्य का काम है ।

पौधरोपण करने का लिया संकल्प

जौनपुर। बदलापुर नगर पंचायत कार्यालय पर बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव प्रसारण को अध्यक्ष प्रतिनिधि वैभव सिंह व सभासदों ने सुना। सुशासन के लिए उनके कही गयी बातों पर अमल करने का भी लोगों ने निर्णय लिया। मुख्यमंत्री के लाइव संबोधन सुनने के बाद सभी ने नगर क्षेत्र को हरा भरा करने का संकल्प लेते हुए कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान चेयरमैन सीमा सिंह के प्रतिनिधि वैभव सिंह, अधिशासी अधिकारी वृजकिशोर सिंह, सभासद हरीनाथ मौर्य, नागेन्द्र, दिलीप शर्मा ,अमरजीत आदि लोग मौजूद रहे।

सहकारी गन्ना समिति में स्वच्छता अभियान की उड़ाई जा रही धज्जियां

मोहम्मदी खीरी। सहकारी गन्ना समिति मोहम्मदी के सचिव स्वच्छ भारत अभियान को नहीं मानते। सहकारी गन्ना विकास समिति के प्रांगण में बरसात का पानी गड्ढों में भर जाने से तालाब जैसे हालात हैं, जहां पर पूछताछ केंद्र बना हुआ है उसके सामने भी दलदल व पानी भरा हुआ है। किसानों के लिए पानी पीने के लिए जहां पर वाटर कूलर लगा हुआ है उसके आसपास भी कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि समिति के सचिव महोदय स्वच्छ भारत अभियान के लिए कितने संवेदनशील हैं। बरसात का पानी भर जाने से मच्छर व गंदगी का अंबार हैं चारों तरफ बड़ी-बड़ी घास व कूड़ा पड़ा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकरपुर राजा निवासी एक विधवा महिला पिछले एक साल से अपना सट्टा बनवाने के लिए चक्कर लगा रही है, समिति के सचिव व कर्मचारी कभी ऑनलाइन कभी सर्वे कभी रसीद कटवाने के नाम पर टालते ही जा रहे हैं। जब इस संबंध में सहकारी गन्ना विकास समिति मोहम्मदी के सचिव संजय कुमार सिंह से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि बरसात का मौसम चल रहा है इसकी व्यवस्था की जाएगी समय आने पर बजट आएगा फिर

मिट्टी गिराई जाएगी फिर इस तालाब के पानी से निजात मिलेगी और जब उनसे पूछा गया कि वाटर कूलर के पास कूड़े के बारे में तो बोले कि हम अभी नए-नए आएंगे सभी व्यवस्थाएं देखी जाएंगी।

कासिमाबाद पुलिस ने सेंधमारी से संबंधित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में तथा क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में मंगलवार की मध्य रात्रि को वादी रामचन्द्र चौहान पुत्र सुखनन्दन चौहान निवासी ग्राम मुहम्मदपुर कुसुम थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर समय करीब 10.00 बजे फल की दुकान बन्द करके चले गये । परन्तु रोज की भांति वादी व उनके साथी हरिश्चचन्द्र चौहान पुत्र रुपा चौहान व अनिल गुप्ता पुत्र मोहन गुप्ता ग्राम दुर्गास्थान थाना कासिमाबाद गाजीपुर खाना खाने के बाद टहलने दुकान महडौर चट्टी पर आये तो देखा कि दुकान से सटी बोलेरो गाडी है तथा दुकान का ताला

टूटा हुआ है । जिस पर वादी द्वारा थाना स्थानीय को तत्काल सूचना दिया गया। थाना स्थानीय द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए अभियुक्त विनोद यादव पुत्र स्व0 रामअवध यादव नि0ग्राम मुहम्मदपुर कुसुम थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर को चोरी किये गये 01 कैरेट सेब, 01 कैरेट अनार, 02 कैरेट आम व चोरी करने में प्रयुक्त बोलेरो के साथ कारण गिरफ्तारी बताते हुए पुलिस हिरासत में लिया गया। वादी के लिखित तहरीर पर थाना कासिमाबाद पर सम्बन्धित अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त विनोद यादव उपरोक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरिक्षक रोहित राज यादव थाना कासिमाबाद, कांस्टेबल चंचल थाना कासिमाबाद, कांस्टेबल राजपाल यादव थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

सीडीओ ने लगाई बैंक क्रेडिट लिंकेज लक्ष्य के लिए बैंक शाखा प्रबंधकों की कार्यशाला

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्वयं सहायता समूहों के बैंक क्रेडिट लिंकेज के लक्ष्य के प्राप्ति हेतु जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबन्धकों का सूक्ष्म वित्त एवं वित्तीय समावेशन विषयक पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन आज बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में किया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्री संतोष कुमार वैश्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। उपायुक्त स्वतः रोजगार श्री गोपाल कृष्ण चौधरी के द्वारा स्वागत उद्बोधन के साथ कार्यशाला के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया उन्होंने कहा बैंकर्स के सहयोग से ही स्वयं

सहायता समूहों को आगे बढ़ाया जाना है। बैंठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि बैकर्स उन्मुखीकारण के कार्यशाला के माध्यम से उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सम्बन्ध में बैकर्स को विस्तृत जानकारी की जायेगी। जिससे स्वयं सहायता समूहों के बचत खाता एवं बैंक क्रेडिट लिंकेज में बैंक प्रबन्धकों का सहयोग मिले एवं जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हो सके जिससे स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को अधिक से अधिक गतिविधियों को जोडा जा सकें। जिससे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में अच्छा प्रयास किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उत्कृष्ठ कार्य करने वाले बैक शाखा प्रबन्धक, बैंक सखी, ब्लाक मिशन प्रबन्धकएवं जिला मिशन प्रबन्धक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद से आये नेशनल रिसोर्स पर्सन एन0आर0पी0 जितेन्द्र यादव द्वारा कार्यशाला में भारतीय रिजर्ब बैंक की स्वयं सहायता समूह के बैंक लिंकेज से सम्बन्धित नई गाइड लाईन के सम्बन्ध में बैंक प्रबन्धकों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी एवं जिले के आर्थिक एवं समाजिक विकास में स्वयं सहायता समूह व संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाज से आये नेशनल रिसोर्स पर्सन शुभंकर झा के द्वारा भी कार्यशाला में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों को प्राप्त होने वाले रिवाल्विंग फण्ड एवं सामुदायिक निवेश निधि, सी0सी0एल0, सी0बी0आर0एम0 बैंक सखी के सम्बन्ध मेविस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यशाला के अन्त में स्वयं सहायता समूहोके सी0सी0एल0 में बैंक स्तर पर आने वाले समस्याओं का समाधान भी रिसोर्स पर्सन के द्वारा किया गया एवं स्वंय सहायता समूह के द्वारा पूर्ण प्रपत्र बैंक में प्राप्त करने व पंचसूत्र का पालन करने हेतु कहा गया जिससे बैंक प्रबन्धको द्वारा अधिक से अधिक सी0सी0एल0 किया जा सके। कार्यशाला में के.डी. गुप्ता, क्षेत्रीय प्रबंधक, यूनियन बैंक आफ इंडिया, प्रभाकर सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक, बड़ौदा यू.पी. बैंक, पियूष सिंह परमार, अग्रणी जिला प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय स्टेट बैक के मुख्य प्रबंधक कुमार परिमल, समस्त बैकों के जिला समन्वयक, शाखा प्रबन्धक, जिला मिशन प्रबन्धक एन0आर0एल0एम0समस्त ब्लाक मिशन प्रबन्धक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंक सखी उपस्थित रही। कार्यशाला के अंत में जिला मिशन प्रबन्धक परितोष कुमार पाण्डेय द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

साक्षात्कार में होती है विद्यार्थियों के सहनशक्ति की परीक्षा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सेंट्रल ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में बुधवार को छात्रों के कैम्पस सलेक्शन में सहायता देने वाले सीवी और रिज्यूम के बारे में सही

मार्गदर्शन के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य के निर्देशन में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता सेंट्रल ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों को सीवी, रिज्यूम और बायोडाटा में अंतर बताया। इसके साथ ही उन्होंने डार्विन का उदाहरण देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को यह जरूर जान लेना चाहिए कि उनका प्रतिद्वंदी कौन है और उसी के अनुसार अपनी तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को साक्षात्कार के समय अपनी बॉडी लैंग्वेज के साथ-साथ पोस्चर और वॉइस टोन का भी ध्यान रखना चाहिए। साक्षात्कार के दौरान विद्यार्थियों के सहनशक्ति की भी परीक्षा ली जाती है तो वे इस बात का पूर्ण ध्यान रखें कि वह किसी भी परिस्थिति में अपनी सहनशक्ति को न खोएं। इसके साथ ही वह जिस कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं उन्हे उसके बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सरोजनी सिंह ने किया। इस मौके पर डॉ सुनील कुमार, दीप प्रकाश सिंह, पीसी यादव, ऋषि श्रीवास्तव, सुधीर कुमार उपाध्याय, मुलेन्दर सिंह, राकेश उपाध्याय, आलोक दास, संदीप कुमार, श्याम जी त्रिपाठी समेत कई विभागों के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हाथीपाँव मरीजों को एमएमडीपी किट देकर बताया गया व्यायाम का तरीका

पांच साल तक साल में एक बार जरूर खाएं फाइलेरिया से बचाव की दवा-एसीएमओ, ग्राम पंचायत बांसगाव स्थित विवाह भवन में मरीजों को दिया गया रुग्णता प्रबंधन का प्रशिक्षण

प्रखर पडरौना कुशीनगर। स्वास्थ्य विभाग तथा स्वयं सेवी संस्था के तत्वावधान में दुदही क्षेत्र के ग्राम पंचायत बांसगाव के जटवलिया टोले पर स्थित विवाह भवन में फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फाइलेरिया पेशेंट सपोर्ट ग्रुप (पीएसजी) से जुड़े हाथीपांव के एक दर्जन मरीजों को मार्बिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसएबलिटी प्रीवेंशन (एमएमडीपी) किट वितरित किया गया। मौके पर ही ग्रुप के सदस्यों को बीमारी के प्रबंधन और व्यायाम का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर वीबीडी कंट्रोल प्रोग्राम के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ. आरके गुप्ता ने कहा कि फाइलेरिया से बचने के लिए सभी लोग पांच साल तक लगातार साल में एक बार फाइलेरिया से बचाव की दवा जरूर खाएं। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक परजीवी रोग है,जो बुचेरिया ब्रोन्कफटाई एवं बी.मलाई के कारण होता है। जब क्यूलेक्स ग्रुप की मादा मच्छर फाइलेरिया ग्रस्त व्यक्ति का रक्त चूसने के बाद किसी स्वस्थ मनुष्य का रक्त चूसती है तो उस व्यक्ति में भी इस रोग का संक्रमण हो जाता है। यह रोग शरीर के किसी भी भाग में सूजन, डाइड्रोसील तथा हांथीपाव (लिम्फोडिमा) के रूप में प्रकट होता है।

दुदही सीएचसी के अधीक्षक डॉ.अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि फाइलेरिया व्यक्ति को कमजोर और अपाहिज करने वाली बीमारी है। फाइलेरिया शरीर के लटके हुए अंगों जैसे पैर, हाथ, अंडकोष और स्तन को प्रभावित करता है। व्यक्ति में मच्छर के काटने से संक्रमित होने के बाद बीमारी के लक्षण प्रकट होने में पांच से पन्द्रह साल लग जाते हैं। यह बीमारी ज्यादातर बचपन में लोगों को प्रभावित करती है।

एक बार यदि फाइलेरिया हो जाए तो इसका कोई इलाज संभव नहीं हैं। लेकिन इससे बचाव किया जा सकता है। संक्रमण से प्रभावित होने से बचाने के लिए फाइलेरिया रोधी दवा उपलब्ध है। फाइलेरिया रोधी दवा सरकार द्वारा सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) के दौरान वर्ष में एक बार प्रत्येक व्यक्ति को आशा, स्वास्थ्य कार्यकताओं के माध्यम से दी जाती है। दवा खिलाने के लिए आशा व स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाते हैं। गर्भवती, दो साल से कम उम्र के बच्चों और गंभीर रूप से बीमार रोगियों को छोड़कर सभी को इस दवा का सेवन करना चाहिए।

डॉ. सिंह ने कहा कि फाइलेरिया रोधी दवा खाली पेट न खाएं , इसे खाना खाने के बाद खाएं। दवा का सेवन करना पूरी तरह से सुरक्षित है। दवा लेने के बाद कुछ लोगों को मतली, उल्टी, बुखार, खुजली, सिरदर्द जैसे दुष्प्रभावों का अनुभव हो सकता है, लेकिन यह दुष्प्रभाव सामान्य रूप से कुछ घंटों में ठीक हो जाते है। यह आमतौर पर उन लोगों को होते हैं जिनको माइक्रोफाइलेरिया का संक्रमण हैं। आगामी 10 अगस्त से 28 अगस्त तक आशा व अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर घर जाकर दवा खिलाएंगे। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के प्रतिनिधि मनोज राय ने एमएमडीपी किट का प्रयोग करने के लिए डेमो करके दिखाया। उन्होंने यह भी बताया कि एमएमडीपी किट के इस्तेमाल से फाइलेरिया मरीज को आराम मिलता है। फाइलेरिया ग्रसित मरीजों से अपील है कि वह लोग अपने क्षेत्र के लोगों को जागरूक करें। अपने आस-पास गंदगी और जल भराव न होने दें। मच्छरदानी का प्रयोग करें। पूरी बांह के कमीज और मोजे पहनें।

कार्यक्रम में पीएसजी के 12 मरीजों को एमएमडीपी किट वितरित किया गया। इस अवसर पर मलेरिया निरीक्षक अंकिता राघवेन्द्र और पाथ संस्था के प्रशांत गुप्ता प्रमुख तौर पर मौजूद रहे है।

मिली सामग्री: चार साल से फाइलेरिया पीड़ित मरीज माधुरी (35) ने बताया कि बाल्टी, जग, टब, दवा, तौलिया आदि सामान मिला है। पैर धोकर पोछने और दवा के सेवन की जानकारी मिली। व्यायाम का तरीका दिखाने के साथ यह भी बताया गया कि घर के आसपास साफ सफाई रखनी है। मच्छरदानी का प्रयोग करना है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा के सम्पर्क से समर्थन अभियान में अभिनय सिंहा ने किया घर-घर जनसंपर्क

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के जनसंपर्क महाभियान में "सम्पर्क से समर्थन" कार्यक्रम के तहत अभिनव सिन्हा आज साहित्यकार पत्रकार रामावतार शर्मा,भारत विकास परिषद के पुर्व अध्यक्ष पत्रकार अनिल उपाध्याय, पत्रकार सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, 33 बार रक्तदान कर चुके रक्तदाता एवं पैदल चलकर दिल्ली पहुचने वाले शीर्षदीप शर्मा, पूर्वांचल के प्रसिद्ध गोताखोर जेपी चौधरी, पत्रकार शिवानंद राय, अनिल कश्यप, राजकमल जी, शिवकुमार जी, प्रभाकर सिंह सहित समाज के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों मे कार्य करने वाले दर्जनो लोगों से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विगत नौ वर्षों के कार्यकाल के मुख्य कार्यों से सम्बंधित पुस्तिका प्रदान करते हुए 9090902024 पर मिस्ड कॉल कराया। और कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनैतिक दल ही नहीं बल्कि समाज के एक एक व्यक्ति के प्रति जवाबदेह और देश की सजग प्रहरी है जिसके नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंत्योदय लक्ष्य को लेकर समाज के हर वर्ग के लोगों का कल्याण, विकास और राष्ट्र का पुनर्निर्माण समर्पित होकर कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला महामंत्री अवधेश राजभर, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, अभिनव सिंह छोटू, अखिलेश राय, प्रमोद राय, अविनाश सिंह, गर्वजीत सिंह कक्कू आदि साथ साथ रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा गंभीर

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के हाइवे पर स्थित समाधगंज पुरवा पेट्रोल पंप के पास मंगलवार की रात में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। बताते है कि हादसे में 25 वर्षीय राहुल यादव निवासी लाजीपार सिकरारा की मौत हो गई। उसका साथी 22 वर्षीय आशीष निवासी फत्तूपुर की हालत गंभीर है। घटना रात करीब ग्यारह बजे की है। दोनों मछलीशहर की ओर से घर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि किसी ने फोन पर घटना की सूचना दी थी। मौके पर पुलिस टीम भेजी गई तो वहां कोई नहीं था। पंप कर्मचारियों ने बताया कि मछलीशहर कोतवाली की पीआरवी ने एंबुलेंस से दोनों को अस्पताल भिजवाया था। वहीं पर राहुल की मौत हो गई। आशीष का उपचार चल रहा है। किस वाहन से टक्कर हुई यह पता नहीं चल सका।

कार ने छह लोगों को टक्कर मारी, चार घायल

जौनपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के सद्भावना पुल के पास बीतीरात एक कार सवार ने सात लोगों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के समय अफरा तफरी मच गई। लोग एक दूसरे पर गिरते पड़ते भागते और अपनी जान बचाते रहे। कार एक मकान से टकराकर जब रुक गई, तब लोगों ने कार सवार की जमकर पिटाई कर दिया और वाहन को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पा लिया। पुलिस कार और चालक को अपने कब्जे में लेकर कोतवाली ले गई। लोगों ने बताया कि कार चालक और उसके साथ बैठा युवक दोनों शराब के नशे में थे। लेकिन मौके पर पहुंचे कार चालक के परिजन उसका मानसिक संतुलन काफी दिनों से खराब होने की बात बता रहे थे। कार चालक के परिजनों ने यह भी बताया कि उसका मानसिक इलाज लगभग 3 साल से चल रहा है और हमेशा उसे घर में बंद करके रखा जाता था लेकिन आज वह मौका पाकर बाहर निकल गया। पुलिस इस दुर्घटना में घायल चार लोगों को उपचार हेतु जिला अस्पताल पहुँचाया। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी हुई थी, कुछ लोगों को मामूली चोटें आई थी, जो निजी चिकित्सालय में अपना उपचार कराया और अपने घर चले गए।

काँवरियों का जत्था देवघर रवाना

जौनपुर। बदलापुर कस्बे के सुल्तानपुर (तखागंज) से बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने के लिए मंगलवार को दर्जनों काँवरियों का जत्था श्री कृष्णा नगर रेलवे स्टेशन से सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ। इस दौरान बृजमोहन गुप्ता ने कहा कि तखागंज कांवरिया संघ के नेतृत्व में हम लोग विगत कई वर्षों से पवित्र श्रावण में अखिल विश्व के कल्याण हेतु में बाबा वैद्यनाथ का जलाभिषेक करते है। हम लोग सुल्तानगंज से जल भरकर 108 किमी पदयात्रा कर देवघर पहुचेंगे, जहाँ बाबा का जलाभिषेक करेंगे। बाबा धाम जा रहे जत्थे में बृजमोहन गुप्ता, राजनाथ निगम, शनि निगम, सत्यम गुप्ता, लाला गुप्ता, रमेश गुप्ता, संतोष शर्मा ऋतिक गुप्ता, आयुष, राम लखन, नरेन्द्र यादव, छोटेलाल गुप्ता, भोला गुप्ता, छोटू, गिरिजेश निगम आदि रहे।

स्कूल का ताला तोड़कर चार बैट्री चोरी

जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के सरकी चैकी अंतर्गत जूनियर पूर्व माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर में बीती रात चोरों ने ताला तोड़कर चार बैट्री पर हाथ साफ कर दिय बताते है कि चोर विद्यालय की बाउंड्रीवॉल के सहारे घुस परिसर में बने बिजली पावर ग्रिड के कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे चार बैटरी पार कर दिया। सुबह जब विद्यालय खुला तो पावर ग्रिड कमरे का ताला टूटा देख प्रधानाध्यापक राजेश सिंह ने पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई।

भव्य तरीके से निकाली शिव जी की शोभायात्रा

जौनपुर। बोलबम कांवरियां संघ के तत्वावधान में इस बार भी कांवड यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। षिव जी षोभा यात्रा हनुमान घाट पर चैरामाता मन्दिर पर भोलेषकर का पूजन संरक्षक संन्तोष सेठ, महासचिव विमल सिंह द्वारा किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि डा0 रामसूरत मौर्य ने नारियल फोड़कर यात्रा का आंरभ किया। षोभा यात्रा में हाथी घोड़ा, डीजे, षिव की झांकी, 12 ज्योर्तिलिंग की झांकी, मुख्य आकर्षध का केन्द्र रही। संघ के अध्यक्ष सुधीर कुमार साहूं ने कहा कि श्रावण मास में पूरा वातावरण षिव मय हो जाता है। भगवान षिव भोले है जन्द भक्तों पर प्रसन्न हो जाते है। भोले नाथ के पूजन से राष्ट्र धर्म तथा समाज का भी कल्याण होता है। षोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से सदभावना पुल, ओलन्दगंज, मैहर मन्दिर, पालिटेकनिक चैराहा , ओलन्दगंज, कोतवाली चैराहा होते हुए सुतहटटी से भण्डारी स्टेषन पर फरक्का ट्रेन से हजारों की संख्या में भक्त रवाना हुए। इसमें बड़ी संख्या में पीले परिधान पहने भक्त षामिल रहे।

शिक्षक संघ ने विद्यालयों में पहुंचकर मांगा समर्थन

जौनपुर। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर जारी लड़ाई को धार देते हुए प्रदेशभर में 15 जुलाई को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर प्रदर्शन करने की कड़ी में बुधवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने क्षेत्र के विद्यालयों में पहुंचकर समर्थन की अपील की। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक अपनी 16 सूत्री मांगों जिसमें पुरानी पेंशन बहाली, वित्त विहीन शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन, तदर्थ शिक्षकों को विनियमितीकरण, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा आदि के लिए वर्षो से आंदोलित हैं। जिसके लिए अनेकों बार धरना प्रदर्शन, ज्ञापन आदि से अपील की जाती रही, लेकिन मसले का कोई हल नहीं निकल सका। कहा कार्रवाई न होने से आहत शिक्षक 15 जुलाई को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर शांतिपूर्ण ढंग से धरना प्रदर्शन करेंगे।

भुजबल को जान से मारने की धमकी, एक गिरफ्तार

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता छगन भुजबल को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को राज्य के महाड़ इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक का नाम प्रशांत पाटिल है, जो कथित तौर पर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार की पार्टी से जुड़ा है। हाल ही में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए श्री भुजबल को सोमवार को उस वक्त जान से मारने की धमकी मिली जब वह एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पिंपरी-चिंचवाड़ इलाके में थे।

इटावा सफारी में 3 शावकों की मौत से खलबली

इटावा,(ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में इटावा के बीहड़ों में बसे लायन सफारी में एक साथ तीन नवजात शावकों की मौत ने खलबली मचा दिया है। सफारी प्रबंधन तीनों शावको की मौत को छुपाने का प्रयास किया मगर पशुपालन विभाग ने शावकों की मौत की पुष्टि कर दी है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि लायन सफारी में सोना नामक शेरनी ने पांच शावको को जन्म दिया था लेकिन तीन शावकों की मौत हो गई है। हाल के दिनों में इटावा सफारी में जितने भी शावकों का जन्म हुआ है वो सभी के सभी सुरक्षित हैं।

द. कोरिया में विशाल पांडा ने जुड़वां को दिया जन्म

सोल, (एजेंसी)। चीन से सात साल पहले लीज पर लिए एक विशाल पांडा ने पिछले सप्ताह देश में बेबी पांडा की पहली जोड़ी को जन्म दिया। राजधानी सोल से लगभग 40 किमी दक्षिण में योंगिन में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े थीम पार्क एवरलैंड के अनुसार, नौ वर्षीय मादा ऐ बाओ ने शुक्रवार को मादा जुड़वां शावकों को जन्म दिया। बड़े और छोटे शावकों का वजन 180 ग्राम और 140 ग्राम था। दक्षिण कोरिया की धरती पर जुलाई 2020 में फू बाओ नाम के एक शिशु विशाल पांडा का पहला जन्म हुआ था। एवरलैंड ने कहा कि ऐ बाओ और उसके नवजात शिशु अच्छी स्थिति में हैं। ऐ बाओ फरवरी के मध्य में 10 वर्षीय पुरुष ले बाओ के साथ प्राकृतिक संभोग करने में सफल रही।

यूक्रेन के नाटो में शामिल होने की समय सीमा नहीं

विलनियस, (एजेंसी)। युद्ध के बीच यूक्रेन को करीबियों से बड़ी निराशा हाथ लगी है। नाटो के प्रमुख ने कहा कि नेताओं ने यूक्रेन को समूह में शामिल करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है। नाटो के इस रुख से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की नाराज हैं। नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि संगठन के सदस्य देशों के नेता इस बात पर तैयार हुए हैं कि जब सहयोगी देशों में रजामंदी होगी और शर्तें पूरी होंगी, तो यूक्रेन को समूह में शामिल करने की अनुमति दी जाएगी। स्टोल्टेनबर्ग ने कि हमने दोहराया है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य बनेगा और हम सदस्यता कार्ययोजना की आवश्यकता समाप्त करने के लिए सहमत हो गये हैं।

अयोध्या में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

अयोध्या, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में अयोध्या जिले के सोहावल स्टेशन पर कुछ अराजक तत्वों ने वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया। इस मामले में पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में वंदे भारत ट्रेन को गोरखपुर से हरी झण्डी दिखाकर लखनऊ के लिये रवाना किया था। उसी ट्रेन पर कुछ अराजक तत्वों ने आज पथराव कर दिया। इस मामले में तीन संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर आरपीएफ पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के आगे सोहावल स्टेशन के पास हुए पथराव में ट्रेन की बोगियों के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं।

आज का इतिहास

- 1879: बुल्गारिया में नेशनल गार्ड्स यूनिट की स्थापना में हुई थी।
- 1912: 'क्वीन एलिजाबेथ' अमेरिका में प्रदर्शित होने वाली पहली विदेशी फिल्म बनी।
- 1913: सर्बियाई सेनाओं ने बल्गेरियाई शहर विदिन की घेराबंदी शुरू कर दीं।
- 1918: टोकायाम की खाड़ी में जापानी युद्धपोत में विस्फोट होने के कारण 500 लोगों की मौत हुई थी।
- 1935: बेल्जियम ने तत्कालीन सोवियत संघ को मान्यता दी।
- 1973: प्रोचोरोवका की लड़ाई में रूस ने नाजियों को हराया, 12000 मरे।
- 1948: इजरायल के प्रधानमंत्री डेविड बेन-गुरियन ने लोद और रामला के कस्बों से फिलिस्तीनियों के निष्कासन का आदेश दिया था।
- 1949: महात्मा गाँधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबन्ध को सशर्त हटाया गया।

5 राज्यों में भारी बारिश, 72 घंटे में 76 मौतें

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट, अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, यूपी और पंजाब में 6 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। हिमाचल में 24 घंटे में 39 जगह लैंडस्लाइड हुआ। ब्यास नदी में उफान से बिल्डिंग्स बह गईं, पुल ढह गए। पिछले 72 घंटों में देश के अलग-अलग राज्यों में 76 लोगों की जान चली गई।

यूपी में 34, हिमाचल में 20, जम्मू-कश्मीर में 15, दिल्ली में पांच और राजस्थान और हरियाणा में एक-एक की मौत हुई है। वहीं उत्तराखंड के उत्तरकाशी में मध्य प्रदेश के टूरिस्ट की गाड़ियों पर पहाड़ से टूटकर पत्थर गिर गए। हादसे में चार टूरिस्ट की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर के मौसम में कुछ सुधार हुआ और 4 दिन से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू हो गई। दिल्ली में यमुना नदी का वाटर लेवल खतरे के निशान को पार कर गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। किसाने के इलाकों के लोगों को वहां से हटने को कहा गया है।

मंगलवार सुबह 8 बजे तक नदी का पानी 206.32 मीटर पर बह रहा था। 1978 में वाटर लेवल हाईएस्ट 207.49 मीटर तक गया था। राजस्थान में बुधवार को कोटा, बारां, झालावाड़ में भारी बारिश की संभावना जताते हुए मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कोटा के कानावास कई एरिया में बीती रात से तेज बारिश हो रही है और अब तक 144 मिमी बरसात हो चुकी है। बारां के शाहबाद, अटरू समेत कई जगह 2 इंच से ज्यादा पानी बरसा है। एक दिन में 7 इंच तक पानी बरसा, स्कूल बंद रखे गए , डैम ओवरफ्लो हो गए ।

आधे हिमाचल में ब्लैक आउट, 1328 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश तबाही मचा रही है। तीन दिन से हो रही बारिश के कारण आई आपदा में 27 लोगों की जान चली गई। उधर, चंद्रताल में 300 और मणिमहेश में 200 लोग फंसे हुए है। हिमाचल में 1400 सड़कें, 800 पेयजल योजनाएं और 4700 के करीब बिजली के ट्रांसफॉर्मर ठप पड़े हैं।

पंजाब के 13 जिलों में बाढ़, 8 की मौत

पंजाब में बाढ़ से तबाही शुरू हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में अभी तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें मोहाली, रोपड़, फतेहगढ़ साहिब में 2-2 और नवांशहर व होशियारपुर 1-1 मौत हुई है। तीन लोग लापता हैं, जबकि करीब 10 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। जालंधर के शाहकोट में धुस्सी बांध दो जगह से टूट गया है। 479 गांव प्रभावित हुए, आर्मी-एनडीआरएफ की टीमें बचाव में जुटी है।

यूपी में 32 ट्रेनें कैंसिल अब तक 38 की मौत

यूपी में जमकर बारिश हो रही है। हादसों में अब तक 38 लोगों की मौत हो चुकी है। सहारनपुर के बीच से होकर जाने वाली ढमोला और पांवधोई नदी उफान पर चल रही हैं।

हरियाणा में 3 मौतें,

हरियाणा में यमुना नदी का पानी गांवों में घुस गया है। यमुनानगर के अलावा करनाल और पानीपत के गांवों में यह पानी पहुंच गया है। पानीपत में इस पानी की वजह से गौशाला डूब गई। इस दौरान कुछ गायों की मौत भी हो गई है।

चंद्रयान-3 प्रक्षेपित होने के लिए तैयार

श्री हरिकोटा, (आरएनएन)। भारत का चंद्रयान-3 लॉन्चिंग के लिए तैयार है। मंगलवार को चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग की रिहर्सल भी पूरी कर ली गई है। यह रिहर्सल पूरे 24 घंटे तक चली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की टीम ने श्रीहरिकोटा के लॉन्च सेंटर से लेकर अन्य स्थानों के सभी केंद्र, टेलिमेट्री सेंटर और कम्यूनिकेशन यूनिट्स की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान माहौल लॉन्च के समय जैसा ही था। रिहर्सल में ऐसा इसलिए भी किया जाता है, ताकि तकनीकी बाधाओं पर काम किया जा सके। साथ ही, लॉन्च से पूर्व सभी क्रमों पर ध्यान रखा जाता है। काउंटडाउन गुरुवार से शुरू होगा। बस अब इंतजार शुक्रवार (14 जुलाई) के दिन का है। जब चंद्रयान-3 पूरी दुनिया में भारत के लिए अपनी मिसाल करेगा। चंद्रयान-3 शुक्रवार दोपहर 2.35 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से लॉन्च होगी।

चंद्रमा की मिट्टी का होगा विश्लेषण

चंद्रयान-3 के साथ जा रहे रोवल मे एल्फा पार्टिकल एक्सरे स्पैक्ट्रोमीटर और लेजर इंडयूज्ड ब्रेकडाउन स्पैक्ट्रोस्कोप लैंडिंग साइड के आसपास की रासायनिक संरचना के अध्ययन के लिए काम में आएंगे। इसमें चंद्रमा की मिट्टी की विश्लेषण भी शामिल है। रोवर की सफलता चंद्रयान-3 के लिए बहुत अहम है, क्योंकि 2019 मं चंद्रयान-2 में रोवर की लैंडिंग ही नाकाम हो गई थी जिससे इसरो के रोवर से संबंधित प्रयोग टल गए थे।

संयुक्त राष्ट्र ने की भारत की तारीफ

भारत में 15 वर्षों में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड विवि में ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) के जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश (भारत) ने गरीबी उन्मूलन के मोर्चे पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसमें कहा गया है कि भारत सहित दुनिया के 25 देशों ने पिछले 15 साल में सफलता के साथ अपने वैश्विक एमपीआई मूल्य को आधा किया है। इससे इन देशों में हुई प्रगति का पता चलता है। इन देशों में कंबोडिया, चीन, कांगो, होंडुरास, भारत, इंडोनेशिया, मोरक्को, सर्बिया और वियतनाम शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने अप्रैल में 142.86 करोड़ लोगों के साथ जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। अब भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है।

गरीबी उन्मूलन मोर्चे पर अच्छा प्रदर्शन

रिपोर्ट में कहा गया कि विशेष रूप से भारत ने गरीबी उन्मूलन के मोर्चे पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। सिर्फ 15 साल में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।'' रिपोर्ट कहती है कि गरीबी में कमी लाना संभव है। कोविड-19 के महामारी के दौरान के व्यापक आंकड़ों की कमी की वजह से तात्कालिक संभावनाओं का आकलन करना थोड़ा मुश्किल है।

15 साल पहले 64.5 करोड़ लोग थे गरीब: भारत में 2005-06 से 2019-21 तक 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। 2005-06 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में थे। 2015-16 में यह संख्या घटकर लगभग 37 करोड़ पर और 2019-21 में 23 करोड़ पर आ गई।

आंध्र में सागर नहर में गिरी बस, सात मरे, 12 घायल

ओंगोलू, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस प्रकाशम जिले में दर्शी शहर के पास रेलिंग से टकराने के बाद नागार्जुन सागर नहर में गिरने से सात यात्रियों की मौत हो गयी और अन्य 12 घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि घायलों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जबकि गंभीर हालत वाले लोगों को ओंगोल के रिम्स अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पुलिस ने कहा कि सिराज मोहम्मद ने एक विवाह के रिसेप्शन में शामिल होने के लिए पोडिली से काकीनाडा जाने के लिए आरटीसी की इंद्रा बस किराए पर ली। बस में सवार लोग जब सोमवार देर रात रिसेप्शन में शामिल होने के लिए पोडिली से काकीनाडा जा रहे थे, तभी अचानक से चालक बस का बस पर से नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ और बस सागर नहर में गिर गयी। गनीमत रही कि नहर में जलस्तर कम होने के कारण बड़ी त्रासदी होने से बच गयी। सिराज ने रविवार को पोडिली में अपनी बेटी की शादी की और सभी मंगलवार को होने वाले रिसेप्शन के लिए काकीनाडा में दूल्हे के घर जा रहे थे।

नकली दवा निर्माताओं से कड़ाई से निपटेगी सरकार : मंडाविया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने नकली दवा बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा है कि दवाओं की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

श्री मंडाविया ने मंगलवार को यहां छोटे उद्योग क्षेत्र की दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कहा कि दवा कंपनियों को स्व नियमन पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एमएसएमई फार्मा कंपनियों के लिए दवाओं की गुणवत्ता के प्रति सतर्क रहना और स्व-विनियमन से अच्छी विनिर्माण प्रक्रियाओं की ओर तेजी से आगे बढ़ना आवश्यक है।

टीएमसी ने ग्राम पंचायत की 18,606 सीटें जीतीं, भाजपा को मिली 4,482

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव के लिए मंगलवार को काउंटिंग हुई। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे शुरू हुई। शाम साढ़े सात बजे तक ग्राम पंचायत की 27,985 सीटों पर रिजल्ट आ गया। टीएमसी ने ग्राम पंचायत की 18,606 सीटें जीत लीं। वहीं, 8,180 सीटों पर आगे चल है। उधर, भाजपा ने 4,482 सीटों पर जीत हासिल की और 2,419 सीटों पर आगे चल है। कांग्रेस ने 1,073 सीटें जीत लीं और 693 सीटों पर आगे है। सीपीआई (एम) ने ग्राम पंचायत की 1,424 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं, लेफ्ट फ्रंट ने 1,502 सीटें जीतीं। बंगाल पंचायत में ओवैसी की पार्टी की भी एंट्री हो गई। एआईएमआईएम ने बंगाल ग्राम पंचायत की 3 सीटें जीतीं। मालदा में पार्टी 2 और मुर्शिदाबाद में 6 सीटों पर दूसरे स्थान पर रही। पंचायत समिति में टीएमसी ने 118 सीटों पर जीत दर्ज की और 782 सीटों पर आगे रही। वहीं, भाजपा 79 और कांग्रेस 8 सीटों पर बढ़त बनाए हुए थी। जिला परिषद में भी टीएमसी ने 18 सीटें जीतीं और 64 सीटों पर बढ़त बनाए थी।

Filmiअड्डा

'स्त्री 2' का रिलीज हुआ डरावना वीडियो

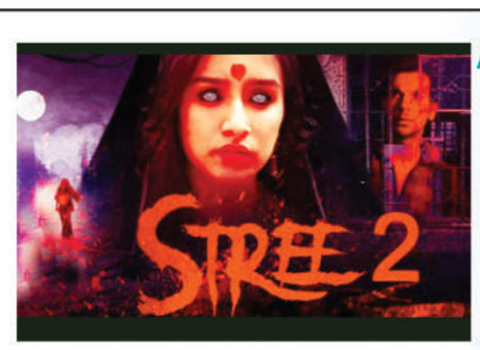

मुंबई। 'स्त्री 2' की शूटिंग शुरू हो गई है और इस बार फिल्म की थीम भी नई है। श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री' को भी लोगों से अच्छे रिव्यू मिले थे। 'स्त्री 2' में भी श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव की जोड़ी देकने को मिलने वाली है। इस बार फिर चंदेरी में होगा नया नाटक, जिसे देख होश उड़ जाएंगे । श्रद्धा कपूर ने फिल्म से जुड़ी कुछ अपडेट शेयर की है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम ऑफिशियल अकाउंट पर 'स्त्री 2' का पहला लुक फैंस के साथ शेयर किया है। इस वीडियो को देख आप भी चौक सकते हैं। जी हां इस वीडिया में पहले से भी ज्यादा खतरनाक सीन दिखाए गए है।

श्रद्धा कपूर-राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री2' की थीम भी अलग होने वाली है। इस बार 'स्त्री2' की थीम 'ओ स्त्री कल आना' नहीं है, बल्कि 'हे स्त्री रक्षा करना' है। फिल्म का पहला लुक दीवार पर 'लापता' पोस्टर के साथ चंदेरी की एक शांत गलीयों को दिखाने से होती है। वीडियो में दीवारों पर 'कल आना' शब्दों के स्थान पर 'रक्षा करना' दिखाया गया है। बता दे कि इसे पहले जो 2018 में फिल्म 'स्त्री' में इसी दीवार पर 'ओ स्त्री कल आना' दिखाया गया था, लेकिन इस बार फिल्म की थीम 'सरकटे का आतंक' है।

मिशन इम्पॉसिबल: क्या टॉम क्रूज की ये फिल्म तोड़ पाएगी 'अवतार 2' का रिकॉर्ड!

मुंबई।

टॉम क्रूज की अपकमिंग एक्शन फिल्म 'मिशनः इम्पॉसिबल - डेड रेकनिंग पार्ट वन' बुधवार 12 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म ने रिलीज के पहले ही जबरदस्त एडवांस कलेक्शन कर लिया है, लेकिन क्या ये फिल्म 'अवतार 2' का रिकॉर्ड भारत में तोड़ पाएगी। हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के टैलेंटेड एक्टर टॉम क्रूज इन दिनों अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'मिशन इम?पॉसिबल- डेड रेकनिंग पार्ट वन' चर्चा में बनी हुईहैं। टॉम क्रूज की फैन फॉलोइंग भारत में भी काफी जबरदस्त है। ये फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' की फ्रेंचाइजी है। इस फिल्म में अपके शानदार एक्शन देखने को मिलने वाला। हमेशा की तरह इस बार भी ये मूवी भारत में बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करने के लिए तैयार है। फिल?म के ट्रेलर में हम खतरनाक स?टंट्स तो देख चुके हैं। ट्रेलर देखकर बहुत से दर्शकों को यह लग रहा है कि फिल्म में एक्शन सीन ज्यादा है।

महिला रेसलर का 6 जगहों पर हुआ उत्पीड़न बृजभूषण के खिलाफ 17 लोगों ने दी गवाही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलवानों और बृजभूषण के मामले में नया मोड़ आया है। बृजभूषण के खिलाफ दाखिल चार्जशीट में पीड़ित रेसलर ने जो बयान पुलिस और मजिस्ट्रेट के सामने दिए थे, उसके समर्थन में 16-17 लोगों ने गवाही दी है और आरोपों को सही बताया है। चार्जशीट में 6 पीड़ित रेसलर के परिवार वालों को गवाह बनाया गया है, जिसमें उनके पति भी शामिल है। कुल मिलाकर 5 गवाह ऐसे हैं जो परिवार के लोग हैं।तीन साथी रेसलर ने पीड़िताओं के बयान का समर्थन करते हुए इनके पक्ष में गवाही दी है। इसके अलावा सबूत के तौर पर पहलवानों की तरफ से फोटो भी दिया गया था, जो कि चार्जशीट का हिस्सा है। एक न्यूज चैनल के पास दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में मौजूद वो तस्वीर हाथ लगी हैं, जिसके बिनाह पर दिल्ली पुलिस ने पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रेसिडेंट बृजभूषण सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

दुष्कर्म का शिकार महिला बच्चे को जन्म देने को बाध्य नहीं: इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, (ब्यूरो)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यौन शोषण की शिकार महिला को उस बच्चे को जन्म देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता जो बच्चा यौन शोषण करने वाले व्यक्ति का है। कोर्ट ने कहा कि यदि ऐसा किया जाता है तो यह ऐसा दुख होगा, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जस्टिसद्वय महेश चंद्र त्रिपाठी और प्रशांत कुमार की पीठ ने 12 वर्षीय मूक-बधिर दुष्कर्म पीड़िता द्वारा दायर रिट याचिका पर पिछले सप्ताह यह आदेश पारित किया। इस किशोरी ने 25 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति मांगी है। पीड़िता के वकील ने दलील दी कि लड़की के पड़ोसी ने अनेकों बार उसका यौन शोषण किया, लेकिन बोलने और सुनने में असमर्थता की वजह से वह किसी को भी आपबीती नहीं बता सकी। अपनी मां द्वारा पूछे जाने पर पीड़िता ने सांकेतिक भाषा में खुलासा किया।

खबर संक्षेप

सुजलॉन को केपी ग्रुप से मिला पवन ऊर्जा का ठेका

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन समूह को गुजरात में केपी ग्रुप से 47.6 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। हालांकि, कंपनी ने सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। यह परियोजना भड़ूच जिले के वागरा में स्थित है। कंपनी ने बयान में कहा कि इस परियोजना के 2024 में चालू होने की उम्मीद है। इस आकार की परियोजना 36,000 घरों को रोशन कर सकती है और सालाना कॉर्बन उत्सर्जन में 1.42 लाख टन की कमी ला सकती है।

देश में बिजली खपत जून में 4.4 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। देश में बिजली खपत इस साल जून में सालाना आधार पर 4.4 प्रतिशत बढ़कर 139.23 अरब यूनिट रही। सरकारी आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले इसी महीने में बिजली खपत 133.26 अरब यूनिट थी। यह जून 2021 में 114.48 अरब यूनिट थी।
बिजली की एक दिन में अधिकतम मांग को पूरा करने के लिये आपूर्ति जून 2023 में बढ़कर 223.23 गीगावाट (एक गीगावाट 1,000 मेगावाट के बराबर) रही। जून 2022 में किसी एक दिन में अधिकतम आपूर्ति 211.72 गीगावाट थी जबकि जून 2021 में 191.24 गीगावाट थी।

चक्रवर्ती एसबीआई कार्ड के सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। अभिजीत चक्रवर्ती एसबीआई कार्ड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी मूल कंपनी भारतीय स्टेट बैंक ने चक्रवर्ती को एसबीआई कार्ड का प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति दो साल के लिये की गयी है। वह 11 अगस्त को प्रबंध निदेशक पद से मुक्त हो रहे राम मोहन राव का स्थान लेंगे। चक्रवर्ती की नियुक्ति 12 अगस्त से प्रभावी होगी। चक्रवर्ती 1988 में एसबीआई से बतौर प्रशिक्षु अधिकारी जुड़े थे। वह फिलहाल बैंक में उप-प्रबंध निदेशक हैं।

जून तिमाही में देश का इस्पात उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली। देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की तिमाही में सालाना आधार पर 8.37 प्रतिशत बढ़कर 3.36 करोड़ टन पर पहुंच गया। स्टीलमिंट ने मंगलवार को जारी एक नोट में कहा कि इस्पात उत्पादन में वृद्धि की यह रफ्तार चालू तिमाही में भी जारी रहने की उम्मीद है। अनुसंधान कंपनी ने कहा कि इस्पात मिलों के ऊंचे उत्पादन और क्षमता विस्तार गतिविधियों से बढ़ी मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सोना 59,505 रुपए प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने का भाव 59,505 रुपये प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित बना रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। चांदी की कीमत भी 72,500 रुपये प्रति किलो पर अपरिवर्तित बनी रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, 'दिल्ली के हाजिर बाजार में सोने की कीमत अपने पिछले बंद भाव 59,505 रुपये प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित बनी रही।

फॉक्सकॉन ने दी सफाई, बोली भारत में सेमीकंडक्टर बनाकर लेंगे दम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी फॉक्सकॉन की भारत में सेमीकंडक्टर (चिप) विनिर्माण इकाई लगाने के लिए अलग से आवेदन करने की योजना है। कंपनी ने भारत के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि वह सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब कार्यक्रम के तहत प्रोत्साहनों के लिए आवेदन करने की योजना पर काम कर रही है। फॉक्सकॉन ने सोमवार को वेदांता के साथ सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम से बाहर निकलने की घोषणा की थी।

कंपनी सेमीकंडक्टर की विनिर्माण इकाई लगाने अलग से करेगी आवेदन

विदेशी हितधारकों का स्वागत करेंगे

फॉक्सकॉन ने कहा था कि वह खनन क्षेत्र के दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लि. के साथ 19.5 अरब डॉलर के संयुक्त उद्यम से बाहर निकल रही है। फॉक्सकॉन ने कहा, 'हम भारत के और विदेश के हितधारकों का स्वागत करेंगे। हम यह भी चाहते हैं कि भारत अगले स्तर तक जाए।'

हटने के लिए दोनों पक्षों में सहमति थी

कंपनी ने कहा, 'फॉक्सकॉन 2006 में भारत आई थी और आज भी है। हम देश के उभरते सेमीकंडक्टर उद्योग के साथ चलना चाहते हैं।'वेदांता के साथ संयुक्त उद्यम से हटने के फैसले पर फॉक्सकॉन ने कहा, दोनों पक्षों में इसको लेकर परस्पर सहमति थी। यह नकारात्मक नहीं है।

अंशधारकों की समीक्षा के बाद लेंगे निर्णय

इस तरह की खबरों कि यह समूह के निवेश को लेकर नकारात्मक उदाहरण पेश करता है, कंपनी ने कहा कि यदि हम कुछ ठीक करना चाहते हैं तो इसे गंभीर विचार-विमर्श और हमारे अंशधारकों पर पड़ने वाले निकट अवधि के प्रभाव की समीक्षा करने के बाद किया जाता है।

चिप विनिर्माण में कुछ समय लगेगा

भारत के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए फॉक्सकॉन ने कहा कि वह सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब पारिस्थितिकी तंत्र के संशोधित कार्यक्रम के तहत आवेदन करने के लिए काम कर रही है। फॉक्सकॉन ने कहा कि उसे भरोसा है कि भारत सफलता के साथ एक तेजतर्रार सेमीकंडक्टर विनिर्माण परिवेश स्थापित कर पाएगा। 'इसमें समय लगेगा।'

परामर्श कंपनी ग्रांट थॉर्नटन ने जारी की रिपोर्ट

आर्थिक चुनौतियों के कारण कंपनियों के सौदे प्रभावित, मूल्य में 78 प्रतिशत की गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय कंपनियों के सौदे आर्थिक चुनौतियों के कारण 2023 की पहली छमाही में बुरी तरह प्रभावित हुए। परामर्श कंपनी ग्रांट थॉर्नटन भारत ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि जनवरी-जून, 2023 के दौरान 23 अरब डॉलर मूल्य के सिर्फ 676 सौदे हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले मूल्य के हिसाब से 78 प्रतिशत जबकि मात्रा के हिसाब से 42 प्रतिशत कम है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित विलय और अधिग्रहण गतिविधियां रही। विलय-अधिग्रहण सौदे 92 प्रतिशत गिरावट के साथ सिर्फ 6.68 अरब डॉलर के हुए। पिछले साल इस दौरान यह आंकड़ा बहुत ज्यादा था, जब एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के साथ-साथ लार्सन एंड टुब्रो इन्फोटेक (एलटीआई) और माइंडट्री का विलय हुआ था।

जनवरी-जून में सौदों का मूल्य घटकर 23 अरब डॉलर

बाजार की अस्थिरता प्रमुख कारण

विजेता हालांकि वृहद आर्थिक स्थितियों, बाजार की अस्थिरता में कमी और स्थिर ब्याज दरों के आधार पर भविष्य की तिमाहियों के लेकर ज्यादा आशावादी हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि निजी इक्विटी/उद्यम पूंजी (पीई/वीसी) क्षेत्र में 16.4 अरब डॉलर के 521 सौदे हुए, जो मात्रा के हिसाब से 40 प्रतिशत जबकि मूल्य के हिसाब से 35 प्रतिशत कम है।

आपूर्ति श्रृंखला में रहा अवरोध

कंपनी में भागीदार शांति विजेता ने कहा, 'चालू वर्ष की पहली छमाही में भारत में सौदों में गिरावट रही, जिसका मुख्य कारण अनिश्चितताओं के कारण आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध और उससे महंगाई और ब्याज दरों में अस्थिरता रहना है।'

29 बड़े सौदे विलय व अधिग्रहण के

रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में तीन अरब डॉलर के सौदों और 29 बड़े सौदों ने विलय और अधिग्रहण गतिविधियों में नरमी के प्रभाव को कम करने में मदद की। एक अरब डॉलर के और ज्यादा मूल्य के तीन अन्य सौदों के साथ फार्मा, स्वास्थ्य और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र मूल्य के मामले में सबसे आगे रहे।

पीएसयू के भी आईपीओ पेश किए गए

इन क्षेत्रों में कुल 3.45 अरब डॉलर के सौदे हुए। इस साल जनवरी-जून में 1.4 अरब डॉलर के आरंभिक सार्वजनिक उपक्रम (आईपीओ) भी पेश किए गए, जो 2022 से मात्रा के हिसाब से 35 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 77 प्रतिशत कम है।

अबतक दो करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

आकलन वर्ष 2023-24 के लिए अब तक दो करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न भरे जा चुके हैं। आयकर विभाग ने मंगलवार को ट्विटर पर जारी एक सूचना में कहा कि आकलन वर्ष 2023-24 के लिये 11 जुलाई तक दो करोड़ आयकर रिटर्न भरे गये हैं। पिछले साल 20 जुलाई तक दो करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किये गये थे। आयकर विभाग ने अपने ट्वीट में कहा, '-करदाताओं के सहयोग से हमने पिछले साल के मुकाबले दो करोड़ का आंकड़ा इस वर्ष नौ दिन पहले ही हासिल कर लिया है।' कर विभाग ने आकलन वर्ष 2023-24 के लिये अब तक रिटर्न नहीं भरने वालों से अंतिम समय की जल्दबाजी से बचने के लिये यथाशीघ्र रिटर्न दाखिल करने को कहा है।

गो फर्स्ट की विशेष ऑडिट रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा डीजीसीए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) संकट से गुजर रही एयरलाइन गो फर्स्ट की विशेष ऑडिट रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एयरलाइन की उड़ानें फिलहाल ठप हैं और कंपनी ऋण शोधन प्रक्रिया का सामना कर रही है। नकदी संकट से जूझ रही गो फर्स्ट ने 17 साल तक काम जारी रखने के बाद तीन मई से परिचालन रोक दिया था। गो फर्स्ट का परिचालन दोबारा शुरू करने से संबंधित तैयारियों की जांच के लिए डीजीसीए ने चार से छह जुलाई के दौरान विशेष ऑडिट किया था। इसमें एयरलाइन की मुंबई और दिल्ली की इकाइयों को शामिल किया गया था। इस बीच, गो फर्स्ट और उसे पट्टे पर विमान देने वाली कंपनियों के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय में कानूनी लड़ाई जारी है। अधिकारी के अनुसार उच्च न्यायालय का इस संदर्भ में फैसला ऋण शोधन अक्षमता और दिवाला संहिता के तहत जारी कार्यवाही के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा। ऑडिट रिपोर्ट और अन्य पहलुओं पर गौर करने के बाद नागर विमानन महानिदेशालय गो फर्स्ट की पुनरुद्धार योजना को मंजूरी देने पर निर्णय करेगा।

एयरलाइन की उड़ाने फिलहाल ठप है

रूचि पत्र की अंतिम तिथि नौ अगस्त

सार्वजनिक नोटिस के अनुसार रुचि पत्र जमा करने की अंतिम तिथि नौ अगस्त है। संभावित आवेदनकर्ताओं की अंतिम सूची 19 अगस्त को जारी की जाएगी।

सेंसेक्स 274 अंक और मजबूत

शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स लगभग 274 अंक लाभ में रहा। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से बाजार बढ़त में रहा।

विदेशी पूंजी जारी रहने से बाजार बढ़ा

सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और आईटीसी के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी कायम रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 273.67 अंक बढ़त के साथ 65,617.84 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 83.50 अंक बढ़त के साथ 19,439.40 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मा, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, आईटीसी, नेस्ले, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फिनसर्व शामिल हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार को अब सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों का इंतजार है। ये नतीजे बुधवार से आने शुरू हो जाएंगे। हालांकि परिणाम को लेकर ज्यादा उम्मीद नहीं है।

एशियाई बाजार में रही तेजी

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में ज्यादातर में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक दायरे में रहे थे।

सेबी ने रेलिगेयर मामले में 11 इकाइयों को भेजा नोटिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने रेलिगेयर फिनवेस्ट का पैसा दूसरी कंपनियों को भेजने के मामले में 11 इकाइयों को 15 दिनों के भीतर छह करोड़ रुपये का भुगतान करने का नोटिस भेजा है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि तय समय के भीतर भुगतान नहीं करने पर इन इकाइयों की संपत्तियों एवं खातों को कुर्क किया जाएगा। नोटिस पाने वाली इकाइयों में टॉरस बिल्डकॉन, आर्टिफाइस प्रॉपर्टीज, रोजस्टार मार्केटिंग, ऑस्कर इंवेस्टमेंट्स, ऐड एडवर्टाइजिंग, जॉल्टन प्रॉपर्टीज, सौभाग्य बिल्डकॉन, स्टार आर्टवर्क्स, विटोबा रियल्टर्स, देवरा डेवलपर्स और हरपाल सिंह शामिल हैं। सेबी की तरफ से अक्टूबर, 2022 में लगाए गए जुर्माने की राशि का भुगतान नहीं करने पर इन इकाइयों को यह नोटिस भेजा गया है। सेबी ने इनमें से चार इकाइयों को मंगलवार को नोटिस जारी किया जबकि सात इकाइयों को नोटिस सोमवार को दिया गया था। इन्हें कुल मिलाकर छह करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक राशि 15 दिनों में जमा करने को कहा गया है। इसमें वसूली लागत और ब्याज भी शामिल है। बाजार नियामक ने अक्टूबर, 2022 के अपने आदेश में इन 11 इकाइयों समेत कुल 52 इकाइयों पर रेलिगेयर फिनवेस्ट मामले में 21 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

आरएचसी होल्डिंग व अन्य को फायदा पहुंचाने की कोशिश

इस तरह कंपनी के तत्कालीन प्रवर्तकों आरएचसी होल्डिंग, मलविंदर सिंह और शिविंदर सिंह को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई थी। सेबी के आदेश के मुताबिक, रेलिगेयर फिनवेस्ट के कुल 2,473.66 करोड़ रुपये धोखाधड़ी कर दूसरी कंपनियों को भेजे गए थे।

मुंबई पीठ ने व्यवस्था पर आपत्ति जताने वाले कर्जदाताओं की दलीलें सुनी

एनसीएलटी ने जी, सोनी के विलय पर फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज और कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट (पहले सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया) के विलय पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। एच वी सुब्बा राव और मधु सिन्हा की एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने इस 'व्यवस्था' पर आपत्ति जताने वाले कर्जदाताओं की दलीलों को सुनने के बाद सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

कर्जदाताओं में ये शामिल : इन कर्जदाताओं में एक्सिस फाइनेंस, जेसी फ्लॉवर एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी, आईडीबीआई बैंक, आईमैक्स कॉर्प और आईडीबीआई ट्रस्टीशिप शामिल हैं। दिसंबर, 2021 में जी एंटरटेनमेंट और सोनी पिक्चर्स ने अपने कारोबार का विलय करने पर सहमति जताई थी।

विलय की मंजूरी के लिए किया था संपर्क

दोनों मीडिया घरानों ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, बीएसई, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और अन्य क्षेत्रीय नियामकों से अनुमति प्राप्त करने के बाद विलय की मंजूरी के लिए न्यायाधिकरण से संपर्क किया था।

शेयरधारकों व नियामकों ने दी थी मंजूरी

एस्सेल समूह के कई ऋणदाताओं द्वारा योजना में प्रतिस्पर्धा नहीं करने का प्रावधान जोड़ने को लेकर आपत्ति जताने के बाद यह प्रक्रिया रुक गई। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के वकील जनक द्वारकादास ने कहा कि जेडईईएल और सोनी के बीच 'व्यवस्था' को 99.97 प्रतिशत शेयरधारकों के अलावा बीएसई, एनएसई और सीसीआई जैसे नियामकों ने मंजूरी दे दी है।

लेनदारों के दावों का कुल मूल्य 1259 करोड़ रुपए

द्वारकादास ने कहा कि आपत्ति जता रहे लेनदारों के दावों का कुल मूल्य 1,259 करोड़ रुपये है। जी की कुल सार्वजनिक शेयरधारिता 96.01 प्रतिशत है, जिसमें से 70 प्रतिशत सार्वजनिक संस्थानों के पास है। लगभग 25.88 प्रतिशत हिस्सेदारी सार्वजनिक गैर-संस्थानों के पास है, जबकि प्रवर्तकों के पास सिर्फ 3.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

बिजनेस साइट

बोन मैरो ट्रांसप्लांट से जान बचाई जा सकती है

रायपुर। छत्तीसगढ़ के एक 51 वर्षीय व्यक्ति के मायलोमा का रामकृष्ण केयर अस्पताल में ऑटोलॉगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट डॉ. रवि जायसवाल, सलाहकार हेमेटो-ऑन्कोलॉजी और बीएमटी द्वारा किया गया। पीड़ित व्यक्ति को जून 2021 में दो महीने तक पीठ के निचले हिस्से में गंभीर दर्द के साथ रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। रक्त परीक्षण, बोन मैरो परीक्षण द्वारा उनकी जांच की गई और तब उन्हें मल्टीपल मायलोमा स्टेज 3 से पीड़ित पाया गया। इसके बाद उसका उपचार 4 महीने के लिए इंडक्शन कीमोथेरेपी के साथ शुरू हुआ और उसके बाद मेन्टनेंस थेरेपी (मौखिक गोलियां) दी गईं। बीमारी पर नियंत्रण पाने के बाद रामकृष्ण केयर बीएमटी यूनिट में ऑटोलॉगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट (प्रत्यारोपण) किया गया। डॉ. रवि जायसवाल का कहना है कि हमारे ट्रांसप्लांट यूनिट में वातावरण और उच्चतम संक्रमण नियंत्रण नीति है वह इसकी खूबियों के बारे में बहुत कुछ बताता है।

कचना में वुड्स विले के प्रीमियम रेजिडेंशियल की बुकिंग शुरू

रायपुर। श्री वेंकटेश्वरा रियलिटीज की नई पेशकश वुड्स विले प्रोजेक्ट कचना, रायपुर में, शहर के प्रीमियम रेजिडेंशियल लोकेशन में स्थित है। श्री वेंकटेश्वरा रियालिटीज के डायरेक्टर्स एम रमेश राव ने अपने नए प्रोजेक्ट वुड्स विले के बारे में जानकारी देते हुए बताया की उनके द्वारा बनाए गए प्रीमियम बंगलोज प्रोजेक्ट वुड्स एस्टेट प्रोजेक्ट की विशेषता यह है कि यहां पर लोगों को पूरी तरह से रिसोर्ट स्टाइल में ऑक्सीजोन के बीच प्रीमियम लाइफस्टाइल का अनुभव मिलेगा। इस प्रोजेक्ट में लिमिटेड एडिशन 84 प्रीमियम रिफाइंड 2 और 3 बीएचके अपार्टमेंट्स की प्लानिंग की गई है। वुड्स विले 1.5 एकड़ में जी+9 स्टोरी प्रोजेक्ट है जिसमें २ टॉवर्स हैं। इस प्रोजेक्ट में शानदार क्लब हाउस, इनफिनिटी स्वीमिंग पूल, किड्स पूल, जिम, हेल्थ जोन, मनमोहक कोर्टयार्ड, डिजाइनर टेरेस लैंडस्केप गार्डन्स, टेबल टेनिस, इंडोर गेम्स ,मंदिर, भव्य एंट्रेंस गेट, सीसी टीवी सर्विलांस जैसी गेटेड कम्युनिटी की सभी सुविधाएं यहां उपलब्ध होंगी।

ए ए एफ टी विश्वविद्यालयः शिक्षा और उद्योग के बीच की एक अहम कड़ी

रायपुर। कल्पना कीजिए कि आपको ऐसे दिग्गजों, गेम-चेंजर्स और दूरदर्शी लोगों द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ए ए एफ टी विश्वविद्यालय अपने छात्रों को सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने पर गर्व करता है। मशहूर हस्तियों और विशेषज्ञों द्वारा आयोजित की जाने वाली मास्टरक्लासेस उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ए ए एफ टी विश्वविद्यालय में सिर्फ शिक्षा ही नहीं बल्कि विभिन्न स्टूडेंट क्लबों के माध्यम से छात्रों के संपूर्ण विकास पर भी जोर दिया जाता है। मास कम्युनिकेशन की छात्र तारिका वेदी, ए ए एफ टी विश्वविद्यालय में अपने परिवर्तनकारी अनुभव को साझा करते हुए कहती हैं, 'यहां मेरी शैक्षिक यात्रा ने मेरे आत्म-मूल्य और आत्मविश्वास को बढ़ाया है। अब मैं एक समाचार चैनल पर आने के लिए तैयार महसूस करती हूं। व्यावहारिक ज्ञान के महत्व को पहचानते हुए, ए ए एफ टी विश्वविद्यालय इंडस्ट्रीज विजिट्स का आयोजन करता है जो छात्रों को करीब से यह देखने का अवसर प्रदान करता है कि उनके चुने गए क्षेत्र और इंडस्ट्रीज कैसे संचालित होते हैं।

उलटफेर का शिकार हुईं वर्ल्ड नंबर-1 इगा स्वियातेक

विंबलडनः मार्केटा वांद्रोसोवा और एलिना स्वितोलिना सेमीफाइनल में

लंदन (एजेंसी)। पोलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक मंगलवार को विंबलडन 2023 के क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं।

पूर्व विश्व नंबर तीन स्वितोलिना ने फॉर्म में लौटने का अंदेशा देते हुए विश्व नंबर एक स्वियातेक को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराकर दूसरी बार विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीन बार फ्रेंच ओपन और एक बार अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्वियातेक का यह विंबलडन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह पिछले साल भी इस आयोजन में तीसरे चरण तक ही पहुंच सकी थीं। बीते अक्टूबर अपनी बेटी को जन्म देने के बाद अप्रैल 2023 में कोर्ट पर लौटीं स्वितोलिना पहले सेट में 3-5 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 18 में से 16 पॉइंट अपने हित में किए। इससे मैच का रुख यूक्रेनी खिलाड़ी की ओर पलट गया। स्वियातेक ने भले ही दूसरा सेट टाइब्रेक में जीता, लेकिन स्वितोलीना ने तीसरे सेट में 4-2 की तीव्र बढ़त लेने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। स्वितोलीना 2019 के बाद पहली बार विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंची हैं, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा। वोंद्रोसोवा अपने क्वॉर्टरफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-4, 2-6, 6-4 से हराकर आ रही हैं। पेगुला की ग्रैंडस्लैम क्वॉर्टर फाइनल में छह मौकों में यह छठी हार है। अमेरिका की यह 29 वर्षीय खिलाड़ी पहली बार विंबलडन प्रीक्वॉर्टर फाइनल खेल रही थी। वांद्रोसोवा ने विंबलडन की तैयारी में ग्रास कोर्ट पर सिर्फ चार मैच जीते थे लेकिन ऑल इंग्लैंड क्लब पर वह पिछले आठ जीत में लगातार पांच मैच जीत चुकी हैं। वांद्रोसोवा इससे पहले ऑल इंग्लैंड क्लब पर कभी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाईं थी। इस साल के विंबलडन टूर्नामेंट में वांद्रोसोवा की वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ चौथी जीत है। उन्हें दूसरे दौर में 12वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा, तीसरे दौर में 20वीं वरीय डोना वेकिच को हराया।

बोपन्ना-मैथ्यू की जोड़ी पुरुष युगल के क्वॉर्टर फाइनल में

भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलियाई के मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी पुरुष युगल वर्ग में विंबलडन के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। छठी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन ने प्री-क्वॉर्टर फाइनल में डेविड पेल और रीज स्टैल्डर की डच-अमेरिकी जोड़ी को 7-5, 4-6, 7-6 से शिकस्त दी।

इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने इससे पहले जैकब फर्नले और जोहानस की ब्रिटिश जोड़ी को 7-5, 6-3 से हराकर क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारत-विंडीज के बीच पहला टेस्ट आज से

कैरिबियाई जमीन पर भारतीय टीम 13 मैचों से अजेय, जायसवाल का डेब्यू पक्का

डोमिनिका (एजेंसी)। भारतीय टीम 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत करते हुए बुधवार से शुरू होने वाले पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज का सामना करेगी। पहला टेस्ट मैच 12 -16 जुलाई तक डोमिनिका के विंडसर पार्क में खेला जाएगा। नंबर तीन के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के बाहर होने के बाद जायसवाल का पदार्पण करना लगभग तय है। भारतीय टीम विंडीज की सरजमीं पर 13 मैचों से अजेय हैं। पिछली हार उसे 2002 में मिली थी।

चेतेश्वर पुजारा को बाहर किए जाने के बाद भारतीय शीर्षक्रम में मुंबई के बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज जायसवाल को मौका मिलना तय हैं। जायसवाल पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट के शानदार फॉर्म को यहां जारी रखने का दबाव होगा। वैसे सीधा हल तो उसे तीसरे नंबर पर उतारना होगा लेकिन शुभमन गिल स्वाभाविक तौर पर मध्यक्रम का बल्लेबाज है। जायसवाल मुंबई, पश्चिम क्षेत्र और शेष भारत के लिए पारी की शुरूआत करते नजर आए हैं। विकेटकीपर के तौर पर केएस भरत पर ईशान किशन को तरजीह दिये जाने की उम्मीद है जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी खुद को साबित किया है। विंडसर पार्क पर छह साल बाद टेस्ट मैच होने जा रहा है और इसी प्रारूप में पिछले कुछ साल में कैरेबियाई टीम अच्छा खेल पाई है। ऐसे में यह सोचना मूर्खता होगी कि विश्व कप क्वॉलीफायर का असर टेस्ट में उनके प्रदर्शन पर पड़ेगा।

कमजोर नजर आ रहीं भारतीय तेज गेंदबाजी

इस साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले उसके लिए अनुभवी केमार रोच, शेनोन गैब्रियल, अलजारी जोसफ और जैसन होल्डर जैसे गेंदबाजों को खेलना अच्छा अनुभव होगा। भारत का नया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र पिछले दो चक्रों की तुलना में कठिन होगा। पिछले दो सत्र में भारतीय टीम बेहतरीन तेज गेंदबाजी और सधे हुए बल्लेबाजी क्रम के दम पर फाइनल में पहुंची थी। अब प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबे समय से चोटिल हैं जबकि मोहम्मद शमी को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। भारतीय टीम के आक्रमण में धार की कमी दिख रही है । ईशांत शर्मा पिछले दो चक्र खेले हैं लेकिन इस बार कमेंट्री करेंगे जबकि 36 वर्ष के उमेश यादव का हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी कर पाना मुश्किल है। ऐसे में 19 वर्ष के मोहम्मद सिराज तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे जिनका साथ देने के लिए नौ टेस्ट का अनुभव रखने वाले शार्दुल ठाकुर होंगे । ऐसे में एक बार फिर दारोमदार रविचंद्रन अश्विन (474 विकेट) और रविंद्र जडेजा (268) की स्पिन जोड़ी पर रहेगा। इन चारों का चयन तो तय है लेकिन मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट और नवदीप सैनी में से एक को चुनना आसान नहीं होगा।

भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत, ईशान किशन, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी।

वेस्टइंडीज टीम

क्रेग ब्रेथवेट (कप्तान), जर्मेन ब्लॉकवुड, जोशुआ डासिल्वा, एलिक अथानाजे, रहकीम कॉर्नवेल, शेनोन गैब्रियल, जैसन होल्डर, अलजारी जोसेफ, रेमन रीफर, केमार रोच, टी चंद्रपॉल, किर्क मैकेंजी, जोमेल वारिकन।

हेड-टू-हेड

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अब तक कुल 98 टेस्ट मैच खेले गए हैं। जिसमें से 30 मैचों में वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की जबकि 22 मैचों में भारत विजयी रहा। वहीं 46 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे। वेस्टइंडीज की सरजमीं पर भारत ने अब तक 51 टेस्ट मुकाबले खेले हैं, जिसमें से उन्हें 9 में जीत मिली है, जबकि 16 में टीम को हार का समाना करना पड़ा है। इनके अलावा 26 मुकाबले ड्रॉ रहे।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

- घरेलू मैदान पर होल्डर ने 38.15 की औसत से 1,679 रन बनाए हैं। साथ ही 23.39 की औसत से 92 विकेट झटके हैं।
- ब्रैथवेट ने पिछले डब्ल्यूटीसी में 43.21 की औसत से 994 रन बनाए थे।
- अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 11 टेस्ट में 21.85 की औसत से 60 विकेट और 50.18 की औसत से 552 रन बनाए हैं।
- जडेजा ने पिछले डब्ल्यूटीसी चक्र में 721 रन बनाने के अलावा 23.68 की औसत से 47 विकेट लिए थे।

रोहित, रहाणे और कोहली पर रहेगा रन बनाने का दबाव

रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे और विराट कोहली के लिए कैरेबियाई पिचों पर अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण रहेगा। तीनों की अपनी तरह की चुनौतियां होंगी। रोहित के लिए 50 ओवरों के विश्व कप में बहुत कुछ दाव पर होगा। विश्वकप के बाद टेस्ट कैरियर बचाए रखने के लिए बल्ले से योगदान देना होगा। विराट कोहली को कुछ बड़ी पारियां खेलनी होंगी। आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर उनकी कमजोरी कैरेबियाई गेंदबाज भांप सकते हैं। ऐसे में खराब प्रदर्शन टीम में उनके स्थान पर भी प्रश्नचिन्ह लगा सकता है। कोहली और पुजारा दोनों ने पिछले तीन साल में 30 से कम की औसत से टेस्ट रन बनाए लेकिन पुजारा को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। रहाणे टीम में वापसी कर रहे हैं और उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है। नाकाम रहने की दशा में सबसे पहले बाहर होने वालों में वही होंगे चूंकि रूतुराज गायकवाड़ का दावा भी मजबूत हैं।

भारत ने विंडीज में जीतीं लगातार चार टेस्ट सीरीज

भारतीय टीम ने कैरिबियाई जमीन पर वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली पांच में से चार सीरीज में जीत हासिल की। भारत को वेस्टइंडीज में 2002 में पिछली बार सीरीज में हार मिली थी। तब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में विंडीज ने भारत को 2-1 से हराया था। इसके बाद 2006, 2011, 2016 और 2019 में भारतीय टीम ने लगातार चार टेस्ट सीरीज अपने नाम की।

भारतीय टीम की नई टेस्ट जर्सी देख फैंस का फूटा गुस्सा

विंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम नई जर्सी पहनकर मैदान पर खेलने उतरेगी। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा सहित अन्य खिलाड़ियों ने जर्सी को पहनने के बाद पोस्ट की है। टीम इंडिया के नए किट स्पॉन्सर और नए जर्सी स्पॉन्सर के लोगो की वजह से नई जर्सी काफी कलरफुल नजर आ रही है। जिसे देखकर फैंस का बीसीसीआई पर गुस्सा फूटा।

अर्जुन तेंदुलकर देवधर ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र की टीम में शामिल

चेन्नई। अर्जुन तेंदुलकर को पुडुचेरी में 24 जुलाई से होने वाली 50 ओवर की अंतर क्षेत्रीय प्रतियोगिता देवधर ट्रॉफी के लिए मयंक अग्रवाल की अगुआई वाली दक्षिण क्षेत्र की टीम में जगह मिली है। कोलंबो में 13 से 23 जुलाई तक एमर्जिंग एशिया कप में खेलने वाले बी साई सुदर्शन को स्टैंडबाई खिलाड़ियों में रखा गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के बल्लेबाज अर्जुन ने इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सत्र में मुंबई इंडियन्स की ओर से पदार्पण किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अगस्त में एमर्जिंग ऑलराउंडर के शिविर में भी उन्हें जगह दी थी। दक्षिण क्षेत्र के तेज गेंदबाजी आक्रमण में गोवा के अर्जुन के अलावा कर्नाटक के विद्वत कावेरापा और विजयकुमार विशाक तथा वी कौशिक को जगह मिली है।

दक्षिण क्षेत्र टीम

मयंक अग्रवाल (कप्तान), रोहन कुन्नुमल, एन जगदीशन, रोहित रायुडू, केबी अरूण कार्तिक, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, वाशिंगटन सुंदर, विद्वत कावेरापा, विजयकुमार विशाक, कौशिक वी, रोहित रेडकर, सिजोमन जोसेफ, अर्जुन तेंदुलकर और बी साई किशोर।

मप्र कार्य गुणवत्ता परिषद ने किया निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्लेक्स का निरीक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद द्वारा महानिदेशक अशोक शाह के नेतृत्व में नाथू बरखेड़ा, भोपाल में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्लेक्स में एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी एक्स्ट्रो टर्फ, पेवेलियन आदि निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का निराक्षण किया गया। इस अवसर पर मप्र रोड़ डेवलपमेंट कार्पोरेशन के सुनील वर्मा, खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक बीएस यादव, सहायक संचालक वाणी साहू और बंसल समूह के सुनील बंसल उपस्थित थे। महानिदेशक अशोक शाह ने बताया कि स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स राज्य शासन का अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्स हैं और हमारा दायित्व हैं कि यह निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार समय सीमा पर बनकर तैयार हो।

संजय ने जीती भोपाल जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप

भोपाल। संजय कुमार राठौरिया ने एन जायसवाल को पराजित कर भोपाल जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में पुरूष 60 वर्ष वर्ग का खिताब जीता। पुरूष 65 वर्ष युगल में गोपाल शेखर और एनपी जायसवाल की जोड़ी फाइनल मुकाबले में पहुंची। जहां उनका मुकाबला जीएस जुनेजा-एसके सिन्हा से होगा। 12 जुलाई को फाइनल मुकाबले खेले जाएंगें। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन स्पोटर्स क्लब के कोर्ट नं-1 पर मंगलवार को खेले गए स्पर्धा के 65 वर्ष पुरूष एकल फाइनल मुकाबले में संजय कुमार राठौरिया ने एस जायसवाल को थोडा संघर्ष के उपरांत सीधे गेमों में 21-11, 21-13 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों से कुछ अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। विजेता संजय कुमार ने अपनी फिटनेस के दम पर खिताबी मुकाबला जीता। बालक अंडर-9 एकल सेमीफाइनल में प्रयान ने विशेष को 21-13, 13-21, 21-11 से और आरव सोनी ने नैतिक खत्री को 21-4, 21-9 से शिकस्त दी। वहीं बालक अंडर-11 एकल सेमीफाइनल में अभिनव आर्य ने मेधांश को 21-17, 21-16 और आरव सोनी ने दैविक बतरा को 21-14, 21-9 से हराया।

बांग्लादेश ने मैच जबकि अफगान ने जीती सीरीज

चटगांव । शोरिफुल इस्लाम (21/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद कप्तान लिटन दास (53 नाबाद) के अर्द्धशतक की बदौलत बांग्लादेश ने तीसरे एकदिवसीय मैच में अफगानिस्तान को सात विकेट से मात दी।

अफगानिस्तान टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 126 रन पर ऑलआउट हो गयी। मेजबान टीम ने 127 रन का लक्ष्य तीन विकेट गंवाकर 23.3 ओवर में हासिल कर लिया। अफगानिस्तान ने इस हार के बावजूद तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीती। टॉस जीतने के बावजूद अफगान बल्लेबाज क्रीज पर टिककर रन बनाने में असफल रहे। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह ओमरजाई ने सर्वाधिक 56 रन जबकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 22 रन की पारी खेली। मेहमान टीम के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके जिसके कारण पूरी टीम 126 रन पर सिमट गयी। शोरिफुल ने अपने नौ ओवर 21 रन देकर चार विकेट के साथ समाप्त किए। तस्कीन और ताइजुल इस्लाम ने दो-दो विकेट लिए। बांग्लादेश की पारी की शुरुआत करने उतरे मोहम्मद नईम शून्य रन पर फारूकी का शिकार हो गए, जबकि नजमुल हसन शांतो भी 11 रन ही बना सके। कप्तान लिटन ने हालांकि शाकिब के साथ तीसरे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी बुनकर अफगानिस्तान की वापसी की संभावनाएं खत्म कर दीं। शाकिब ने 39 रन और लिटन ने नाबाद 53 रन बनाए। लिटन ने तौहीद हृदोय (22 नाबाद) के साथ मिलकर बांग्लादेश को मंजिल तक पहुंचाया।

चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड स्क्वॉड में कोई बदलाव नहीं

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने ओल्ड ट्रैफर्ड में ऑस्ट्रेलिया खिलाफ होने वाले चौथे एशेज टेस्ट से पहले अपनी 14-सदस्यीय स्क्वॉड में कोई बदलाव नहीं किया है। पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से पिछड़ने के बाद मेजबान टीम ने लीड्स में रोमांचक जीत के साथ एक बार फिर वापसी की। चौथे टेस्ट के लिए 19 जुलाई को मैदान पर उतरते हुए बेन स्टोक्स की टीम हार टालकर सीरीज को जीवंत रखने की कोशिश करेगी। ईसीबी की ओर से जारी सूची में जॉनी बेयरस्टो टीम के एकमात्र विकेटकीपर बने हुए हैं। तीसरे टेस्ट में एकादश से बाहर रहे जेम्स एंडरसन 14-सदस्यीय स्क्वाड में बरकरार हैं, हालांकि मार्क वुड और क्रिस वोक्स के शानदार प्रदर्शन के बाद ओल्ड ट्रैफर्ड में उनका खेलना सुनिश्चित नहीं है। चोटग्रस्त ओली पोप के सीरीज से बाहर होने के बावजूद डैन लॉरेंस टीम में एकमात्र अतिरिक्त बल्लेबाज हैं। **चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम:** बेन स्टोक्स (कप्तान), मोईन अली, जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जॉश टंग, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

हसरंगा व गार्डनर बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलियाई की स्टार ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में जून माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार मिला। हसरंगा ने ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स को पछाड़कर यह खिताब जीता। हसरंगा ने वनडे विश्व कप क्वॉलीफायर के 7 मैच में 12.91 की शानदार औसत के साथ गेंदबाजी की और 22 विकेट झटके। उन्होंने लगातार 3 मुकाबलों में 5 विकेट हॉल लिया और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/24 का रहा। हसरंगा ने टूर्नामेंट में 5.15 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की थी। हसरंगा ने प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार पाने के बाद कहा, मैं इस पुरस्कार से बेहद खुश हूं और यह श्रीलंका क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जब हमने भारत में क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाई।

महिला क्रिकेट / वेस्टइंडीज को दूसरे टी-20 मैच में आठ रन से हराया

भारत ने सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

ढाका (एजेंसी)। भारत ने दीप्ति शर्मा (12/3), मिन्नू मणि (9/2) और शेफाली वर्मा (15/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मंगलवार को रोमांच से भरे दूसरे महिला टी-20 में बांग्लादेश को आठ रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बल्लेबाजों की असफलता के कारण भारत 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 95 रन ही बना सका, लेकिन गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 20 ओवर में 87 रन पर ऑलआउट कर दिया।

भारतीय टीम के लिए शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 19 रन, स्मृति मंधाना 13 रन और यास्तिका भाटिया 11 रन को योगदान दिया। गेंदबाजों की अगुआई दीप्ति ने की जिन्होंने चार ओवर में 12 रन देते हुए तीन विकेट लिए, जिसमें बांग्लादेश के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाली कप्तान निगार सुल्ताना (38) का विकेट भी शामिल रहा। अपना दूसरा टी20 खेल रहीं मिन्नू ने चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए, जबकि बरेड्डी अनुषाने चार ओवर में 20 रन देकर एक विकेट हासिल किया। बांग्लादेश को आखिरी ओवर में 10 रन की दरकार थी। शेफाली ने इस ओवर में मात्र एक रन देते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि चौथा विकेट रनआउट के रूप में गिरा। बांग्लादेश के निचले क्रम के चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके और बांग्लादेश 87 रन पर ऑलआउट हो गई।

रैंकिंग : हरमनप्रीत की शीर्ष-10 में वापसी

न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में लौटी जबकि भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर की शीर्ष-10 में वापसी हुई। बेट्स तीन स्थान आगे बढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। टी20 रैंकिंग में इंग्लैंड की डैनी व्याट तीन पायदान ऊपर 14व पर आ गई हैं।

इस मानसून कर्नाटक की इन जगहों पर बनाएं घूमने का प्लान, मोर की तरह झूम उठेगा आपका मन

अगर दक्षिण भारत में घूमने की बात की जाए तो जहन में सबसे पहला नाम केरल का आता है। बता दें कि मानसून में घूमने की बात हो तो सबसे बढ़िया जगह कर्नाटक को माना जाता है। भारत के टॉप पर्यटक स्थलों में कर्नाटक का नाम भी शामिल है। कर्नाटक को दक्षिण का गुलदस्ता भी कहा जाता है। यहां पर घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन जगह हैं। जहां हर महीने लाखों की संख्या में पर्यटक और विदेशी सैलानी घूमने आते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस मानसून दक्षिण भारत घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कर्नाटक की कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके सामने विदेश की खूबसूरती भी फेल है।

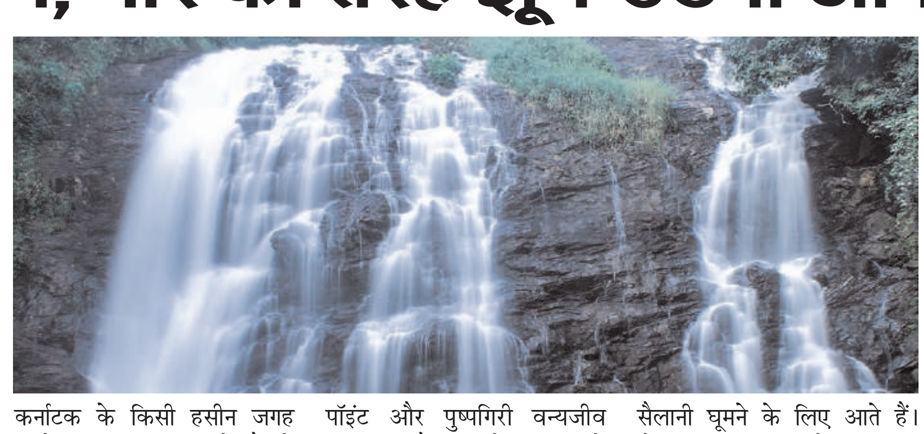

कूर्ग- अगर मानसून में कर्नाटक के किसी हसीन जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सबसे पहले कुर्ग का नाम आता है। बता दें कि यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के समान है। क्योंकि मानसून में यहां की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। यहां पर आप चाय के बागान, हसीन और आसपास के इलाकों में बहने वाली नदियां, एबी फॉल्स, मंडलपट्टी व्यू पॉइंट और पुष्पगिरी वन्यजीव अभ्यारण जैसी जगहें घूम सकते हैं। मानसून में यह जगह बादलों से ढक जाती है।

गोकर्ण- कर्नाटक के गोकर्ण की खूबसूरती देख आप विदेश को भूल जाएंगे। समुद्र तट के किनारे मौजूद शहर की खूबसूरती देखने लायक होती है। इसलिए मानसून में यहां हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं। गोकर्ण राज्य का एक छोटा सा शहर है, लेकिन दो चीजों के कारण यह पूरे देश में फेमस है। सबसे पहली जगह यहां के खूबसूरत समुद्री तट और दूसरा पवित्र मंदिर। गोकर्ण में आप बीच, हाफ मून बीच, पैराडाइज बीच, महाबलेश्वर मंदिर और महागणपति मंदिर आदि घूम सकते हैं।

नंदी हिल्स- कर्नाटक के नंदी हिल्स पर मानसून के समय बेंगलुरु और आसपास के इलाकों से हर दिन हजारों लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं। मानसून के समय समुद्र तल से 8 हजार से भी अधिक मीटर की ऊंचाई पर मौजूद यह जगह बादलों से ढक जाती है। नंदी हिल्स का सूर्योदय और सूर्यास्त सबसे ज्यादा फेमस है। सूर्यास्त और सूर्योदय के समय यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

देवबाग- अरब सागर के तट पर स्थित देवबाग आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। देवबाग समुद्र के नीले पानी, सुंदर पहाड़ों और कैसुरिना के पेड़ों से यहां पर काफी शानदार दृश्य देखने को मिलता है। मानसूम में इस जगह का नजारा देखने लायक होता है। बता दें कि यह काफी शांत जगह है। यहां पर आप सुकून के पल बिता सकते हैं।

आस्था

गौकरण मानिकपुरी

मन को आनंदित करता सिंगलद्वीप

धमतरी जिले के अंतर्गत वि.ख. मगरलोड से पश्चिम दिशा में स्थित महानदी के तटीय क्षेत्र में सिंगलद्वीप है। यह सिंगलद्वीप आसपास के गांवों के लिए धार्मिक आस्था का केन्द्र है। इस पावन स्थल के उत्तर में सेलदीप, दक्षिण में राजपुर, पूर्व में ढाबा तथा पश्चिम में जोरातराई गांव है। यहां सैकड़ों वर्ष पूर्व स्वयंभू शिवलिंग मिला, जिसमें भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। यहां के लोगों का विश्वास है कि शिवलिंग के आकार में बढ़ोतरी हो रही है। इस शिव मंदिर में श्रद्धालु पूरे सावन माह जल चढ़ाने आते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही अनेक समाज के मंदिरों के अलावा संत कबीर मंदिर का निर्माण भी हो चुका है। इस मंदिर के समीप एक गुफा भूतल से करीब 15 फीट नीचे बना हुआ है, जहां गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा रामायण लिखने की मुद्रा में विराजमान हैं। यह स्थल चारों तरफ से नदियों से घिरा होने के कारण मनमोहक भी लगता है। यहां पीपल, नीम, आवंला, महुआ, बहेड़ा और हरड के अलावा अनेक प्रजातियों के हरे-भरे औषधीय पौधे मन को आनंदित कर देते हैं। इस स्थल को राम वन गमन मार्ग भी कहा जाता है। यह स्थल देखने में प्राकृतिक रूप से किसी द्वीप से कम नजर नहीं आती।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का सामाजिक संदर्भ

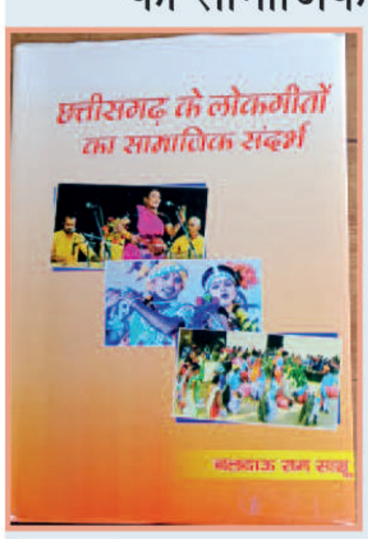

कृति के नाव: छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का सामाजिक संदर्भ

कृतिकार: बलदाऊ राम साहू

समीक्षक: डा. डी पी देशमुख

प्रकाशक: जी एच प्रकाशन प्रयागराज (ऊ.प.)

कीमत: चार सौ पचास रूपए

छत्तीसगढ़ अंचल में तीज-त्योहारों के अलावा प्रकृति से जुड़े हर विषयों पर गीत गाने की प्राचीन वाचक परंपरा रही है। धीरे-धीरे इन गीतों को लिपिबद्ध किया गया। इन गीतों को अनेक लेखकों ने अपनी लेखनी से बारहमासी गीत लिखकर छत्तीसगढ़ी साहित्य को समृदध बनाने का काम किया है। इसी संदर्भ में कृतिकार ने अंचल के 22 साहित्यकार जिन्होंने पारंपरिक लोकगीतों को अपने अनुसार सहेजने और जन समक्ष लाने का प्रयास किया है, उनकी लेखनी को अपनी पुस्तक 'छत्तीसगढ़ के लोकगीतों का सामाजिक संदर्भ' में स्थान दिया है। यह पुस्तक साहित्य जगत के लिए महत्वपूर्ण कृति होने के साथ संग्रहणीय है, तथा आने वाली पीढ़ी के लिए संग्रहित विषय वस्तु अच्छा मार्गदर्शन भी करेगी।

कुम्हारों की अधिकता से गांव का नाम कुम्हारी

नेशनल हाइवे पर राजधानी रायपुर से लगा गांव कुम्हारी है। मुख्य सड़क मार्ग में यह गांव अब शहर का रूप ले चुका है। बताया जाता है कि पहले यह गांव खारून नदी के किनारे बसा हुआ था। यहां कुम्हार मिट्टी के बर्तन और अन्य दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करते थे, तथा इनकी ही बाहुलता थी, इस कारण इस गांव का नाम कुम्हारी पड़ा। इस गांव में लगातार बाढ़ की स्थिति बनी रहने के कारण लोग 2 किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा की ओर बस गए।

दुर्ग जिले के अंतिम छोर तथा नेशनल हाइवे पर राजधानी रायपुर से लगा गांव कुम्हारी है। मुख्य सड़क मार्ग में यह गांव अब शहर का रूप ले चुका है। बताया जाता है कि पहले यह गांव खारून नदी के किनारे बसा हुआ था। यहां कुम्हार मिट्टी के बर्तन और अन्य दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करते थे, तथा इनकी ही बाहुलता थी, इस कारण इस गांव का नाम कुम्हारी पड़ा। इस गांव में लगातार बाढ़ की स्थिति बनी रहने के कारण लोग 2 किलोमीटर दूर पश्चिम दिशा की ओर बस गए। आबादी बढ़ने के कारण नगर पालिका परिषद यहां बन चुका है, जिसमें कुम्हारी, परसदा, कूगदा, रामपुर और जंजगिरी गांव शामिल है। इतना ही नहीं कुम्हारी अपनी गोद में अनेकों दर्शनीय स्थल समेटे हुए हैं, जिसमें महामाया सिद्धशक्ति पीठ, जैन कैवल्यधाम, साईं धाम, गिरजाघर, गुरुद्वारा, मस्जिद, हनुमान और शीतला मंदिर की अपनी विशेषता है। यहां के बड़े तालाब में सिद्ध शक्तिपीठ महामाया (महुवारी) को जलकी भी कहते हैं जो टीले में स्थित अत्यंत प्राचीन है। नवरात्रि के अवसर पर भक्तों द्वारा इस मंदिर में मनोकामना ज्योत प्रज्जवलित की जाती है। इस महामाया मंदिर की प्रसिद्धि दूर-दूर है तथा मंदिर से संबंधित कई किवंदंतियां भी है जिसके कारण यहां वर्ष भर भक्तों का आना जाना लगा रहता है। बताया जाता है कि यहां के निवासी हीरा सिंह देवांगन पर माता की विशेष कृपा होने के कारण वह माता की सेवा में अपने जीवन को समर्पित कर दिया, तब से उनका परिवार मंदिर की देखरेख करते आ रहे हैं। इस गांव में वर्षो पहले से प्रभात फेरी नामक एक संस्था है जो रोज प्रातः भगवान का भजन करते गांव में फेरी लगाते हैं। कभी वीरान सा रहा गांव अब फलित-फूलित हो गया है।

गांव की कहानी : हेमलाल निर्मोही

प्रकृति के रहस्यों से भरा देवगढ़

पुरातात्विकः शरद दुबे

अम्बिकापुर से लखनपुर 28 किलोमीटर की दूरी तथा यहां से 10 किलोमीटर की दूरी पर देवगढ़ स्थित है। देवगढ़ प्राचीन काल में ऋषि यमदग्नि की साधना स्थली रही है। यहां मंदिर में विराजित शिवलिंग के मध्य भाग पर शक्ति स्वरुप पार्वती जी नारी रूप में अंकित है, अर्धनारीश्वर स्वरूप में इस मंदिर को गौरी शंकर मंदिर भी कहते है। रेणुका नदी के किनारे देवगढ़ में एकादृश मंदिरों के भग्नावशेष बिखरे पडे हैं। देवगढ़ में स्थापित गोल्फी मठ की संरचना शैव संप्रदाय से संबंधित मानी जाती है। यहां के अन्य दर्शनीय स्थलों में कई मंदिरो के भग्नावशेष, गौरी शंकर मंदिर, आयताकार शैली में स्थापित शिव मंदिर, पुरातात्विक महत्व के अनेक कलात्मक मूर्तियां हैं। घने जंगलों के बीच होने के कारण यहां का वातावरण प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। यहां प्रत्येक वर्ष श्रावण के महीने में शिवलिंग में जलाभिषेक की जाती है। इसके साथ ही महाशिवरात्रि पर भक्तों की विशेष भीड़ देखी जाती है। पर्यटकों का यहां वर्ष भर आना-जाना लगा रहता है।

जीवन मूल्यों का समावेश होता है बंजारा

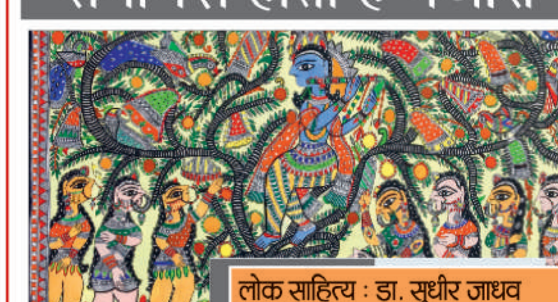

लोक साहित्य : डा. सुधीर जाधव

बंजारा जनजाति देश के विभिन्न स्थानों के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी निवास करती हैं। यह जनजाति घुमंतू होने के कारण स्थाई निवास बनाकर कम ही रहते हैं, लेकिन इनमें सामाजिक बदलाव देखा जा रहा है और अब स्थाई निवास बनाकर रहने लगे हैं। खास बात यह है कि बंजारा मुख्य रूप से देवी के उपासक होते हैं। यह बंजारे मेरामा याड़ी (देवी) की पूजा करते हैं कुछ देवी (मावली) की पूजा जंगलों, खेत-खलिहानों में सार्वजनिक तथा व्यक्तिगत रूपों में करते हैं। वर्षो पूर्व से यह जनजाति भारत माता को भी देवी के रूप में पूजते आ रहे हैं जो लोकगीतों में दिखाई देती है-

अंबा अंबा भारत माता भवानी आनी
सत्य लोकेन छोड़ेन आनी, ग्वार भाइन ज्ञानम केनी
सेर मनेन एकज करनी, सेरो साई वेनी आनी
दुर्गुण ले दूर कर ले माता, भक्त बना ले सेन तू माता
भजन करा ले तारोज माता

बंजारा जनजाति की भक्ति संबंधी गीतों में आराध्य की प्रशंसा, अनुनय-विनय तथा समर्पण की भावना दिखाई देती है। इस अवसर पर बंजारे अहंकार को त्याग कर आराध्य माता के सम्मुख अपने को समर्पित कर देते हैं।

देश प्रेमी और स्वाभिमानी रहे डा. खूबचंद बघेल

जयंती विशेष

डा. सत्यभामा आड़िल

डा. खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़ की शोषित-पीड़ित और अत्याचार जनता के दुख दर्द को अपना समझते थे और उन्हें पीड़ा होती थी, कि ऐसे ज्वलंत मुद्दों को किस तरह खत्म किया जाए। इसके समाधान के लिए वे हमेशा चिंतन-मनन में लगे रहते थे। आप दिल्ली में रहकर भी छत्तीसगढ़वासियों की पीड़ा को पत्र के माध्यम से समय-समय पर व्यक्त करते थे। किसी भी तरह का अन्याय उनसे देखा नहीं जाता था और इससे जूझने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। वे अपने वर्तमान राजनीति को देखकर व्यथित हो उठते थे। वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनता के लिए नीतिगत राजनीति पर ज्यादा जोर देते थे। वे खासकर युवा वर्ग को जागृत होने के लिए आव्हान करते थे। अपनी दूरदर्शिता से सभी को समय समय पर अवगत कराते भी थे। स्वार्थ की राजनीति करने वालों पर प्रहार करने वे कभी नहीं चूके। सदैव लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की बात ही कहते थे। वे चाहते थे कि लोग आगे आएं और स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने हक की लड़ाई लड़ें, तो भी उनके साथ पीछे चलने को तैयार हूं। आपका मानना था कि इसके लिए हमें पहले अपनी गुलामी वाली मानसिकता को तोड़नी पड़ेगी। वे अक्सर सार शब्दों में यही कहते थे, कि हम लोगों में चिंतन-अध्ययन और मनन की सबसे पहली आवश्यकता है। अपने विचारों को व्यक्त करते वे कहा करते थे कि अभी हम सभी लोगों में विशुद्ध रूप से दूर दृष्टि की कमी देखी जा रही है जो सत्संग और कर्म साधना से ही पूरी हो सकती है। वे यह भी कहते थे कि यदि मानवता के प्रेम सधा हो, तो वह त्याग की मांग करेगा, क्योंकि प्रेम देना ही देना मांगता है लेना नहीं। वे उदाहरण स्वरूप हमेशा कबीर की वाणी को जन समक्ष लाते थे-

कबीरा खड़ा बाजार में लिए लुचारी हाथ।
जो घर फूंके आपना चले हमारे साथ।।

इन पंक्तियों के माध्यम से वे जनता को आगाह करते थे, कि हमें अपने अधिकारों से लड़ने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ेगी, जो घर बैठे संभव नहीं हो सकता।

वीरता के लिए जानी जाती हैं राजकुमारी

ऐतिहासिक

आशा ध्रुव

अन्नम देव के सैनिकों ने पूरे चक्राकोट को घेर लिया। लड़ते-लड़ते जब राजकुमारी राजधानी के पास पहुंची, तो अन्नमदेव पीछे-पीछे आ रहा था। राजकुमारी ने अपने साहस का परिचय देते हुए अंतिम सांसों तक दुश्मनों का सामना किया। युद्ध का परिणाम भांप कर राजकुमारी ने तत्काल निर्णय लिया कि, अब शत्रुओं के हाथों मरने से अच्छा है कि मैं अपने प्राण स्वयं समाप्त कर लूं। यही अंतिम निर्णय मानकर सन 1313 में अपने साथ बच्चे-बूढ़ों तथा सैनिकों सहित यहां लकड़ी के किले में आग लगाकर शहीद हो गई।

तेरहवीं शताब्दी में वारंगल राज्य का राजा अन्नमदेव ने चक्राकोट पर आक्रमण किया। इधर राजा हरिशचंद्र सेना लेकर युद्ध स्थल की ओर निकल पड़े। तीरथगढ़ कांगेर घाटी में यह युद्ध एक सप्ताह तक चला। इस युद्ध में राजा वीर गति को प्राप्त हुए। चूंकि आक्रमणकारी राजा अन्नमदेव ने राजा के सिपाहियों को भी मार डाला था, अतः पुरूषों की संख्या स्त्रियों से कम होने के कारण दुश्मन को इसका आभास न हो, इसलिए सभी महिलाओं ने पुरूष वेश धारण कर अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित होकर राजकुमारी चमेली के नेतृत्व में युद्ध के लिए कांगेर घाटी की ओर चल पड़े। राजकुमारी की दूरदर्शिता ने उन्हें सेनानायक तथा कुशल रणनीतिज्ञ बना दिया था, जो इस समय काम आया। अन्नम देव के सैनिकों ने पूरे चक्राकोट को घेर लिया। लड़ते-लड़ते जब राजकुमारी राजधानी के पास पहुंची, तो अन्नमदेव पीछे-पीछे आ रहा था। राजकुमारी ने अपने साहस का परिचय देते हुए अंतिम सांसों तक दुश्मनों का सामना किया। युद्ध का परिणाम भांप कर राजकुमारी ने तत्काल निर्णय लिया कि, अब शत्रुओं के हाथों मरने से अच्छा है कि मैं अपने प्राण स्वयं समाप्त कर लूं। यही अंतिम निर्णय मानकर सन 1313 में अपने साथ बच्चे-बूढ़ों तथा सैनिकों सहित यहां लकड़ी के किले में आग लगाकर शहीद हो गई। इनके साथ न जाने कितनी वीरांगनाओं ने मातृभूमि की रक्षा के लिए स्वाभिमान की कुंड में अपने प्राणों की पूर्णाहूति दी। अन्नमदेव जब राजधानी पहुंचा, तो उसे वहां किले के स्थान पर राख का ढेर मिला।

स्नातक छात्र की हत्या से हड़कंप, खेतासराय रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध हालत में मिला शव

प्रखर खेतासराय जौनपुर। अयोध्या जौनपुर रेल प्रखंड के खेतासराय रेल लाइन पर बुधवार की भोर में 21 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालत में शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक के शरीर में चोट के निशान थे। युवक की पहचान खेतासराय थाना क्षेत्र के अहिरों परशुरामपुर निवासी विशाल राजभर के रूप में हुई है।

जीआरपी ने आशनाई में हत्या की जताई आशंका

उधर से गुजर रही ट्रेन के चालक ने जीआरपी शाहगंज को सूचना दी। इसके बाद जीआरपी शाहगंज, खेतासराय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मृतक के गांव के लोगों ने हत्या के पीछे आशनाई की आशंका जाहिर किया है। युवक के कुछ दोस्त की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। जो उसे भोर में मोबाइल फोन करके घर से बुलाए थे। खेतासराय थाना क्षेत्र के अहीरों परशुरामपुर निवासी प्रदीप राजभर चंडीगढ़ शहर में रहकर बेकरी में काम करते हैं। उनके परिवार में दो बेटे हैं। बड़ा बेटा विशाल राजभर जौनपुर के एक कालेज से स्नातक का छात्र है। छोटा बेटा गांव में ही पढ़ाई करता है। पत्नी घर पर रहकर खेती बारी का काम देखती है। बेहद ही गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले प्रदीप राजभर का बड़ा बेटा 21 वर्षीय विशाल राजभर रोज की तरह घर में खाना खाकर सोया हुआ था। तीन बजे भोर में उसके मोबाइल पर किसी दोस्त का फोन आया।

इस दौरान हुई बातचीत के बाद वह घर से परिवार वालों को बिना बताए पैदल निकल लिया। उधर परिवार वाले युवक को घर में नहीं देख परेशान हो गए। पहले उन्होंने आसपास खोजा फिर उसके मोबाइल पर फोन करके काफी खोजबीन में जुट गए। जौनपुर शाहगंज रेल प्रखंड पर खेतासराय थाना अंतर्गत तारगहना गांव जाने वाले मोड़ पर युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूत्र बताते हैं कि तीन बजे भोर में उधर से गुजर रही एक ट्रेन के चालक ने रेलवे लाइन पर युवक का शव देखते ही ट्रेन रोककर शाहगंज जीआरपी को सूचना दिया। इसके तत्काल बाद राजकीय रेलवे पुलिस शाहगंज और खेतासराय थाने के इंस्पेक्टर राजेश यादव, उपनिरीक्षक महंगू यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने शव को रेलवे लाइन से उठाकर किनारे रखकर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। मृतक युवक की जेब में एक मोबाइल पर लगातार घंटी बज रही थी। जिसे परिजन फोन कर रहे थे। एक राहगीर ने फोन को निकाल कर कॉल रिसीव किया और उनके परिजनों को सूचना दिया। प्रत्यक्ष तौर पर घटना को देखने से लगता है युवक की हत्या करके उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए रेलवे लाइन पर लिटा दिया गया था। हादसे के बाद परिवार वालों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई।

नवनिर्मित लखनिया वाटर पार्क एवम रिजॉर्ट का विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने फीता काटकर किया शुभारंभ

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र के लतीफपुर गांव स्थित लखनिया वाटर सफारी एण्ड रिजॉर्ट का उद्घाटन मंगलवार की शाम को विधायक के हाथों किया गया। लखनिया वाटर सफारी का उद्घाटन रमाशंकर सिंह पटेल (मड़िहान विधायक व पूर्व ऊर्जा राज्य मंत्री) ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मड़िहान विधायक ने कहा कि लखनिया वाटर सफारी एण्ड रिजॉर्ट अहरौरा क्षेत्र में सबसे बड़ा वाटर पार्क है। यह निश्चित रूप से पर्यटक क्षेत्र में एक बड़ी बात है। अब यहां सिर्फ अन्य जिलों ही नहीं, बल्कि देश-विदेशों से भी पर्यटक आएंगे।वाटर पार्क का लुफ्त उठा पाएंगे। वही लखनिया वाटर सफारी के संचालक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि इस लखनिया वाटर सफारी एण्ड रिजॉर्ट में मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के वाटर राईड की व्यवस्था है। गर्मियों में लोग इसका लुफ्त उठाएंगे। ठहरने के लिए सुंदर होटल भी हैं जिससे लोग

यहां अपने परिवार के साथ रुक सकते हैं। यही नही वाटर रिजॉर्ट में शादी-विवाह, जन्मदिन, जैसे शुभ कार्यो के लिए बुकिंग करा सकते हैं। और बताया कि लखनिया वाटर सफारी एण्ड रिजॉर्ट में वाटर एक्टिविटीज, रेस्टोरेंट, पार्किंग, लॉकर, कॉस्ट्यूम एवं कई सारी अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, और काफी अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी जिसकी वजह से आपको यहां पर खाने-पीने और वाटर एक्टिविटीज को एंजॉय करने से संबंधित कोई भी तकलीफ नहीं होगी। इस अवसर पर राजगढ़ ब्लाक प्रमुख गजेन्द्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी, अमित पाण्डेय, राजू सिंह पटेल, प्रदीप सिंह, राजू सिंह, मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र सिंह अग्रहरी, अदलहाट मण्डल अध्यक्ष बैजनाथ प्रजापति, संतोष पटेल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

क्रेशर और खदान बंद होने से हजारों मजदूर हुए बेरोजगार

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र के सोनपुर एवं भगवती देवी स्थित अधिकांश क्रेशर एवं खादान एनजीटी के मिले निर्देश के बाद बंद करा दिया गया। जिससे क्रेशर प्लांट एवं पत्थर खदान में कार्य करने वाले अधिकांश दैनिक मजदूरो के सामने रोजी-रोटी की गंभीर संकट खड़ा हो गया है। यह मजदूर बेरोजगार हो गए हैं, गैर जनपदों से आए हुए मजदूर अपना बोरिया बिस्तर बांध कर अपने गांव की तरफ जाने को विवश है। क्षेत्र के भगवती देवी गांव निवासी संपूर्णानंद ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण को खनन क्षेत्र में उड़ रहे धूल गर्दा एवं गुबार पर शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद मिले शिकायत के उपरांत हरित प्राधिकरण ने खनन एवं क्रेशर का अस्थलीय निरीक्षण करने के बाद अपनी रिपोर्ट में इन क्षेत्रों में संचालित हो रहे क्रेशर एवं खदानों के द्वारा प्रदूषण के मानका को न पूरा करने की रिपोर्ट लगाते हुए खनन बंद करने का आदेश दिया। एनजीटी के आदेश पर अमल न

होता देख शिकायतकर्ता ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की, लंबी सुनवाई के बाद राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने जब जिलाधिकारी को इस मामले में तलब किया तो क्रेशर एवं खदानों में खनन का कार्य बंद कर दिया गया है। वही छोटे एवं मझोले क्रेशर व्यवसायियों ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए बताया कि बड़े व्यवसाई व सड़क बनाने वाली बड़ी कंपनियों के क्रेशर एवं खदानों पर कोई कार्रवाई न करना दोहरी मानसिकता दशार्ता है। सोनपुर भगवती देई क्षेत्र के खदान एवं क्रेशर बंद हो जाने से छोटे एवं मझोले व्यवसायियों के द्वारा बैंक से कर्ज लेकर व्यवसाय खडा किया गया था उनके सामने धंधा बंद होने से बैंक का कर्ज के रूप में दोहरी परेशानी खड़ा हो गया है। क्रेशर व्यवसायियों के सामने एक तरफ कुआं एक तरफ खाई वाली स्थिति उत्पन्न हो गई है।भगवती देई व सोनपुर के क्रेशर व्यवसाई मायूस होकर जिला प्रशासन समेत राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण को कोसते हुए नजर आ रहे हैं।

बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हमले के मामले में दर्ज हुआ अभय, विनीत समेत 6 आरोपितों का बयान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) अवनीश गौतम की अदालत में विचाराधीन पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमले के मामले में गोसाईगंज के सपा विधायक अभय सिंह, भाजपा एमएलसी श्याम नारायण उर्फ विनीत सिंह समेत 6 आरोपित कोर्ट में पेश हुए जहां सभी आरोपितों का बयान कोर्ट में दर्ज किया गया` इस दौरान आरोपित संदीप सिंह की ओर से अंतर्गत धारा 311 के तहत इस आशय का प्रार्थना पत्र दिया गया कि आरोपित अंतर्गत धारा 313 (5) के तहत लिखित साक्ष्य पेश करने व वादी मुकदमा धनंजय सिंह को तलब करने की कोर्ट से अपील की गई है` अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए 14 जुलाई को तिथि नियत कर दी अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से एडीजीसी विनय कुमार सिंह व बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दीनानाथ सिंह, अनुज यादव व वरुण प्रताप सिंह मौजूद रहे` प्रकरण के अनुसार रारी, जौनपुर के तत्कालीन विधायक धनंजय सिंह अपने साथियों के साथ चार अक्टूबर 2002 को सफारी गाड़ी से परिवार के सदस्य रामजी सिंह की पत्नी को कबीरनगर स्थित एक अस्पताल से देखकर वापस जौनपुर लौट रहे थे वह जैसे ही शाम छह बजे नदेसर स्थित टकसाल सिनेमाहाल के पास पहुंचे, तभी वहां टाटा सफारी और एक बोलेरो में सवार राजेपुर महराजगंज फैजाबाद निवासी अभय सिंह अपने 4-5 साथियों के साथ इन गाड़ियों से स्वचालित असलहे रायफल बंदूक लिए उतरे जिसके बाद अभय सिंह ने ललकारते हुये कहा की यही धनंजय सिंह मारो और हाथ में लिए पिस्टल से जान से मरने कि नियत से गोली चलाने लगे और उनकी गाड़ी के सामने अपनी गाड़ी खड़ी कर दी, तभी बोलेरो से एक आदमी उतरकर फायर करने लगा। जिससे बाजार में भगदड़ मच गई और लोग डर कर

इधर-उधर भागने लगे और दुकानें बंद होने लगी` इस हमले में तत्कालीन विधायक व वर्तमान में सांसद धनंजय सिंह, जितेंद्र बहादुर सिंह, संतोष सिंह, गनर बासुदेव पाण्डेय व ड्राईवर दिनेश गुप्ता घायल हो गए थे इस बीच पुलिस की गाड़ी आ गई इस दौरान अभय व उनके साथी अपने वाहनों से भाग गए। जिसके बाद इस मामले में धनंजय सिंह ने कैंट थाने में अभय सिंह समेत 4-5 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस उपायुक्त गोमती जोन की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय बाबतपुर में अपराध समीक्षा बैठक व सैनिक सम्मेलन का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुलिस उपायुक्त गोमती जोन की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय बाबतपुर में अपराध समीक्षा बैठक व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया` सैनिक सम्मेलन में उपस्थित अधिकारी, कर्मचारीगणों की समस्याओं को सुना गया तथा उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये तत्पश्चात समस्त थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की गयी जिसमें जोन के थानों में लम्बित विवेचना ,आईजीआरएस ,प्रार्थना पत्र, हत्या, लूट, डकैती, चोरी, नकबजनी व महिला सम्बन्धी अपराधों की विस्तृत समीक्षा की गयी आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों को भौतिक सत्यापन करते हुए समयबद्धता, गुणवत्तापूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण करने हेतु आदेशित किया गया` चोरी, लूट, नकबजनी व महिला सम्बन्धी अपराधो (पॉक्सो अधिनियम) को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने तथा संलिप्त अपराधियो के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही करने

हेतु निर्देशित किया गया साथ ही लूट ,चोरी ,नकबजनी के पेशेवर अभियुक्तों के विरुद्ध गुण्डा व गैंगेस्टर की कार्यवाही व जेल से छुटे अपराधियों की निगरानी करने हेतु कहा गया तथा इस समयावधि में शासन द्वारा प्राप्त आदेश-निर्देश व पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा जारी परिपत्रों की कड़ाई से पालन करने हेतु सभी को आदेशित किया गया` गंभीर अपराधों से सम्बन्धित मुकदमों की चिन्हीकरण कर न्या0 में प्रभावी पैरवी करते हुए अभियुक्तों को कठोर से कठोर सजा दिलाये जाने हेतु निर्देशित किया गया थानों पर खड़े लावारिस वाहनों व माल मुकदमाती का निस्तारण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये` श्रावण मास, कांवड़ यात्रा व आगामी त्यौहार मुहर्रम के दृष्टिगत साफ-सफाई, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु समस्त प्र0नि0 , थानाध्यक्ष को आवश्यक निर्देश दिये` इस दौरान गोमती जोन के अपर पुलिस उपायुक्त गोमती जोन, सहायक पुलिस आयुक्त पिण्डरा व सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब तथा समस्त प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष व अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

नवागत मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक से मिला राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

प्रतिनिधि मंडल ने पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत, शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षक समस्याओं के समाधान पर किया वार्ता

प्रखर वाराणसी। नवागत मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक सत्य प्रकाश त्रिपाठी से राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश संयुक्त मंत्री एवं वाराणसी के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" के नेतृत्व में पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए शिष्टाचार मुलाकात किया तथा शिक्षक एवं शिक्षार्थियों की समस्याओं के समाधान के तरीकों पर वार्ता किया।

वाराणसी जनपद में पिछले 18 सालों से नियुक्त शिक्षकों की पदोन्नति न होने के विषय को उठाते हुए जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" ने मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक को बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में वाराणसी ही एकमात्र जिला है जहां इतने लंबे समय से नियुक्त शिक्षकों की पदोन्नति नहीं हुई है जिसकी वजह से इन शिक्षकों को सेवा के 10 वर्ष पर लगने वाले चयन वेतनमान एवं 22 वर्ष पर लगने वाले प्रोन्नत वेतनमान को पाने के लिए अपने स्तर से प्रयास करना पड़ता है जबकि इन दोनों व्यवस्थाओं का लाभ एबीएसए एवं बीएसए के स्तर

से रुटीन प्रक्रिया के अंतर्गत मिल जाना चाहिए। शशांक कुमार पाण्डेय ने मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक को बताया कि जनपद में शिक्षकों को चयन वेतनमान तो फिर भी मिल जाता है लेकिन वाराणसी के चयन वेतनमान पाए शिक्षकों की वरिष्ठता सूची का वर्षों से जिला बेसिक शिक्षाधिकारी द्वारा प्रकाशन नहीं किया गया जिसकी वजह से पिछले 22 वर्षों से वाराणसी के शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान नहीं मिला जिसकी वजह से प्रति वर्ष तमाम शिक्षक अपने इस अधिकार को पाए बिना ही रिटायर हो जाते हैं जिससे उनका भारी आर्थिक नुकसान होता है इसलिए कृपया आप जनपद के शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान प्रतिवर्ष मिले उसके लिए बीएसए को निर्देशित करिए जिस पर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक ने शीघ्र ही बीएसए एवं खंड शिक्षाधिकारियों की बैठक बुलाकर इस विषय पर उनसे चर्चा करने को कहा।

मंडलीय सहायक शिक्षक निदेशक से मुलाकात के दौरान जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" के साथ कार्यकारी जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश, जिला महामंत्री आनंद कुमार सिंह,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश पाल,जिला उपाध्यक्ष राजन सिंह, जिला संयुक्त महामंत्री आशुतोष पाण्डेय,महिला विंग की जिलाध्यक्ष रमा रुखैयार,जिला मंत्री प्रभात सिंह व आभा तिवारी,चोलापुर के ब्लाक अध्यक्ष पवन सिंह,आराजीलाइन्स कार्यकारी ब्लाक अध्यक्ष अमिताभ राय,अविरल जगत चतुवेर्दी उपस्थित रहे।

04 अवैध पिस्टल, 05 कारतूस, एक मोटर साइकिल व 02 मोबाइल संग 03 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों तथा अवैध शस्त्र तस्करी के विरूध्द चलाये जा रहे अभियान के तहद अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को थानाध्यक्ष करण्डा मय पुलिस फोर्स के संदिग्ध वाहन,व्यक्ति व रात्रिगश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर बेलसड़ी पुल से 03 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया जिनके पास से 04 अदद नाजायज पिस्टल 0.32 बोर व 05 अदद जिन्दा कारतूस 0.32 बोर तथा एक अदद मोटर साइकिल बजाज पल्सर , 02 अदद मोबाइल व 1800 रुपये नगद बरामद किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूध्द आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तो में राजन सिंह उर्फ साहिल पुत्र हरिद्वार सिंह निवासी ग्राम माहेपुर थाना करण्डा गाजीपुर, विशाल यादव पुत्र जितेन्द्र यादव नि0 ग्राम रामानन्द का पुरा, ताजपुर थाना करीमुद्दीनपुर, गाजीपुर तथा हर्ष सिंह पुत्र बब्लू सिंह नि0 ग्राम सेवराई थाना गहमर जनपद गाजीपुर रहे जिन पर उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न थानों में विभिन्न मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार

चौधरी थाना करण्डा जनपद गाजीपुर, उप निरीक्षक त्रिवेणी प्रसाद तिवारी थाना करण्डा जनपद गाजीपुर, हेड कांस्टेबल राम प्रताप सिंह थाना करण्डा जनपद गाजीपुर, कांस्टेबल राजकुमार भारतीय थाना करण्डा, कांस्टेबलअभय यादव थाना करण्डा, कांस्टेबल शिवम शर्मा थाना करण्डा, कांस्टेबल अश्वनी कुशवाहा थाना करण्डा जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

नाद नदी का होगा जीर्णोद्धार, उद्यमियों ने उठाया बीड़ा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर क्षेत्र से होकर चोलापुर तक बहने से नाद नदी की सफाई कार्य उद्यमियों के सहयोग से शुरू हो गया। जिससे अब नाद नदी के आसपास रहने वाले लोगों को बदबू और प्रदूषण से निजात मिल पायेगा। बताते हैं कि 25 किमी तक वाराणसी जिले में बहने वाली नाद नदी सैकड़ो गावो के किसानों और पशुपालकों के लिए जीवनदायनी के रूप में थी। लेकिन वर्षो से सफाई कार्य न होने व पानी का बहाव रुकने से प्रदूषित हो गई थी । वही करखियाव में स्थापित कुछ फैक्ट्रियों द्वारा भी गन्दा जल उसमे बहाने से उसका दशा और खराब हो गई थी। जिसको लेकर गत दिनों करखियाव एग्रो पार्क में उद्यमी शुभम अग्रवाल के यहाँ विधायक डॉ अवधेश सिंह की अध्यक्षता में उद्यमियो और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बैठक हुई। जिसमें विधायक के आह्वान पर उद्यमियों ने सहयोग के आधार पर एक तालाब की खुदाई, नाद नदी की सफाई और एग्रो पार्क में बने रोड के किनारे पौधरोपण करने की इच्छा जताई। जिसपर प्रशासनिक अधिकारियों ने सहयोग का आश्वासन दिया था। उसी क्रम में बुधवार से करखियाव स्थित नाद नदी से सम्बद्ध नाले से पोकलेन से सफाई कार्य का शुभारंभ एग्रो पार्क इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मद्धेशिया ने किया। इस बाबत उन्होंने बताया कि 25 वर्ष बाद करखियाव से लगायत फूलपुर , देवराई, धरसौना होते हुए 9 किमी दूरी तक एग्रो पार्क के उद्यमी नाद नदी की सफाई का बीड़ा उठाया है। जिसमें अनुमानित 4 लाख खर्च होने के साथ 12 दिन तक सफाई कार्य चलेगा। इस दौरान उद्यमी शुभम अग्रवाल, आनंद जायसवाल, कौस्तुभ अग्रवाल, भरत केजरीवाल, राजेश राय, रवि गुप्ता, बृजेश गुप्ता,मनीष लाथ समेत अनेक उद्यमी रहे।

कैबिनेट मंत्री का मनाया गया पुर्नजन्मोत्सव

प्रखर पिंडरा वाराणसी। कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी के पुर्नजन्मोत्सव पर बुधवार को ग्रामीण क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। पिंडरा में भाजपा नेता व पूर्व जिला पंचायत सदस्य व वैश्य समाज के वि० प्रभारी कृष्ण कुमार उर्फ रामू गुप्ता ने पिंडरा स्थित मुसहर बस्ती में फल वितरित कर उनके दीघार्यु होने की कामना की। अपराह्न में पिंडरा स्थित लक्ष्मीनारायण मन्दिर में पूजा अर्चना की गई। फूलपुर में नन्हकू जायसवाल के नेतृत्व में मुसहर बस्ती में तथा नेवादा में नंदलाल गुप्ता के नेतृत्व में फल का वितरण किया गया। इस दौरान विवेक गुप्ता, जितेंद्र जायसवाल, तुषार गुप्ता, गौरव गुप्ता, राहुल गुप्ता, अनूप जायसवाल, सोनू मोदनवाल समेत अनेक लोग रहे।

माँ ने पुत्र द्वारा घर से निकाले जाने पर डीएम व पुलिस कमिश्नर से लगाई गुहार

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के दालमंडी काजीपुरा कला निवासी अतिवृद्ध महिला नजमा बेगम (85) वर्ष ने मंगलवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त से गुहार लगाई है। महिला ने गुहार लगाते हुए बताया कि उसके पुत्र अबरार आलम ने घर से निकाल दिया है जबकि यह घर मेरे पुत्र इरशाद आलम की पत्नी तलत अनवर के नाम है। पीड़ित महिला जबकि अतिवृद्ध, असहाय,बीमार एवं बेड पर है और उनका डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार दशाश्वमेध थाना क्षेत्र निवासी नजमा बेगम पत्नी स्व0 अमीर आलम के तीन पुत्र है। उनके पति ने अपने जीवन काल में ही सभी पुत्रों को संपत्ति का बंटवारा कर रजिस्ट्री कर दिया था जिसमें काजीपुरा कलां स्थित घर को अपने मंझले बेटे इरशाद आलम की पत्नी तलत अनवर के नाम रजिस्ट्री की है जो 2006 में उनके देवर ने 6 महीने रहने के लिए मांगा था। जिसके कुछ दिन बाद घर के नीचे हिस्से में दो दुकान और मांग की और रहने लगा। कब्जा पाने के बाद निकलने के नाम नहीं ले रहा है। जिसको लेकर इरशाद आलम ने सन 2011 में कोर्ट में बेदखली का केस दर्ज किया है। इरशाद आलम की अतिवृद्ध माता नजमा बेगम तीन कमरे,शौचालय व बाथरूम के साथ प्रथम तल पर रहती थी। वह अपनी बेटी के यहां कुछ दिनों के लिए रहने गई और वहा उनकी तबीयत खराब हो गई और उन्हें हॉस्पिटल में ही रहना पड़ा। आरोप है कि हॉस्पिटल में रहने के दौरान अबरार आलम ने मां के कमरे को भी हड़प लिया है इस पर दशाश्वमेध पुलिस एवं एसीपी के पास नजमा बेगम के पुत्र इरशाद आलम कंप्लेन लेकर गए जहां उनकी बात नहीं सुनी गई तो मंगलवार को वह जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर को पत्रक देने गई जहां एडीसीपी ममता रानी ने पत्रक लेकर कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने दशाश्वमेध थाना प्रभारी को महिलाओं एवं बच्चों पर किए गए पुलिस कार्रवाई को समाप्त करने की भी बात कही है। वही पूरे मामले को लेकर नजमा बेगम ने बताया कि वृद्धावस्था में वह कहीं आने जाने लायक नहीं है फिर भी उनके बेटे द्वारा घर से उनको निकाल दिया गया है वह चाहती हैं कि उनको रहने के लिए घर मिले जिससे वह वृद्धावस्था में अपना जीवन यापन आसानी से कर सकें।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं